



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1979 (आश्विन 7, 1901)
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1979 (ASVINA 7, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह संस्करण के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्करण और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं. ए० 35017/1/79-प्रशा० II—इस कायालय की अधिसूचना सं. ए० 35017/1/79-प्रशा० II दिनांक 21 अगस्त, 1976 के अनुक्रम में महालेखाकार, उड़ीसा के कायालय में लेखा अधिकारी श्री दी० रामचन्द्रन को वर्तमान शर्तों पर 13-7-1979 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, इनमें जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कायालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

दिनांक 31 अगस्त 1979

सं. ए० 12019/2/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कायालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायकों (हिन्दी) को उसके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तर्थं आधार पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी

1—256 GI/79

(हिन्दी) के पदों पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं.	नाम	अवधि
1.	श्रीमती सुधा भार्गव	3-9-1979 से 30-11-1979
2.	श्री चन्द्र किरण	3-9-1979 से 30-11-1979
3.	श्री जे० एन० एस० त्यागी	29-8-1979 से 28-11-1979

एस० बालचन्द्रन,
अवर. सचिव,

कृते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं. 98 आरबी टी० 18—आयोग की उपरोक्त अधिसूचना संख्या दिनांक 22-8-1979 के प्रतिस्थापन में केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एवं द्वारा श्री एच० एस० राठौर स्थायी

(7469)

सहायक को 16 अगस्त, 1979 से 13 नवम्बर, 1979 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो आयोग में अनुभाग अधिकारी स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
भवर सचिव,
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय
को० एवं प्र० सू० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० ए० 19036/2/79-प्रशा०-५—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा हरवंस मिह, निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० यू० (ई०-१) को दिनांक 6-8-1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उपअधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० श्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० श्रो० दो० 1081/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्रो० ग्रेड-) डा० के० विजय कुमार, आर० टी० सी०-२ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधादी को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 27-3-1979 के अपराह्न में कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० श्रो० दो० 562/69-स्थापना—श्री सिडनी इजाक ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप सहायक कमांडेन्ट, श्रूप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, पल्लीपुरम, के पद का कार्यभार दिनांक 31-7-1979 (अपराह्न) से त्याग दिया है।

ए० के० अन्दोपाध्याय,
सहायक निवेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० 11/30/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, गोवा प्रशासन के अधिकारी श्री एच० के० रवीन्द्र को, तारीख 10 अगस्त,

1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निवेशालय, गोवा, दमन और दीव, पणजी में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रवीन्द्र का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं० 10/20/79-प्रशा० I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० प० (प्रशा०-I) तारीख 28 मार्च, 1979 के अनुक्रम में, राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में श्रीमती कृष्ण चौधरी की भाषा विद के पद पर तदर्थे नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर, 1979 तक या जब तक पद नियमित आधार पर न भरा जाए, जो भी पहले हो, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० प० (प्रशा०-I) तारीख 28 मार्च, 1979 के पैरा 2 में बताई गई गतों पर सहर्ष बछाते हैं।

2. श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० 11/88/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के संघ राज्य क्षेत्र संघर्ष के अधिकारी श्री यू० एस० श्रीवास्तव को तारीख 21 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निवेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री वास्तव का तारीख 30 सितम्बर, 1979 तक अस्थाई मुख्यालय नई दिल्ली में होगा तथा तारीख 1 अक्टूबर, 1979 से उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

पी० पदमनाथ,
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० 787/एम०—श्री व्ही० व्ही० बापर, सहायक टिकीट नियंत्रक, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड 31-8-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

प्रतिभूति कार्यालय कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 25 अगस्त 1979

सं० पी० एक० 7 (36) 16/371—इस कार्यालय की अधिसूचना श्रमांक 7(36)/1715 दिनांक 26-5-1979 के

क्रम से श्री एस० टी० भिरसट को 30-9-1979 तक अधिकारी पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो के लिए अग्नि शमन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

ए० रा० पाठक,

महा प्रबंधक

प्रतिभूति कागज कारखाना
होशंगाबाद (म० प्र०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

केन्द्रीय राजस्व

नई विल्ली-2, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० प्रशासा० I/का० आ० सं० 289/5-12/79-80/
1115—निदेशक लेखापरीक्षा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के स्थायी पदों के प्रति 840-1200 रु० के समय मान में पूर्वव्यापी प्रभाव से उनके सामने लिखी तिथियों से नियुक्त करते हैं:—

नाम	लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप से स्थायी नियुक्ति की तिथि
सर्वे/श्री	
1. श्री० पी० गुप्ता-I	1-11-1976
2. जी० बी० लाल	1-11-1976
3. आर० पी० सक्षेना	1-11-1976
4. मनमोहन सिंह	1-12-1976
5. रामरखा मल	14-12-1976
6. एच० के० एल० चौधरी	17-1-1977
7. के० सी० जैन	1-3-1977
8. बी० पी० जैन	1-7-1977
9. एम० एल० बुधवार	1-12-1977
10. आर० पी० खुराना	1-3-1978
11. एम० एल० वर्मा	1-5-1978
12. बी० एल० रस्तगी	1-5-1978
13. डी० टी० भूटानी	1-9-1978
14. आर० एस० रस्तोगी	1-11-1978
15. बी० पी० बद्रा	1-11-1978
16. एच० एल० नागिया	1-12-1978
17. आर० पी० धोष	1-1-1979
18. एस० एस० चंडा	1-1-1979
19. श्री० पी० मेहदीरत्ना	1-2-1979
20. एम० एल० गोयल	1-3-1979
21. डी० डी० गुगलानी	1-4-1979
22. जीत सिंह	1-7-1979

समर राय
उप-निदेशक, ले० प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 22 अगस्त 1979

सं० प्रशासन-I/72-ग्रन०/डी० के० ए०/79-80/2586—
उप महालेखाकार (प्र०) कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़, नियम 19(11) के अधीन नियम 12 सी० सी० एस० (सो० सी० ए०) नियम 1965 के द्वारा अवक्षित योग्यताओं का प्रयोग करते हुए श्री दिविन्द्र कुमार, अर्ध-स्थाई लेखा परीक्षक को उपरोक्त नियम के नियम 11(XI) के द्वारा कार्यालय आवेदन प्र० 1/25 दिनांक 29-7-1979 जोकि सं० प्रशासन-I/72-ग्रन०/डी० के० ए०/79-80/2181 दिनांक 28-7-1979 द्वारा जारी किया गया है, के अधीन दिनांक 18-9-1971 से सरकारी नौकरी से पदच्युति करने का दण्ड देते हैं। यह साधारणतया श्री दिविन्द्र कुमार की आगे किसी भी सरकारी सेवा के लिए अयोग्यता समझी जायेगी।

ए० एन० चटर्जी,
उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश

बालियर, दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० प्रशा० 1/बा० से०/26/246—श्री सत्यदेव शर्मा स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी के भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटेड में स्थायी संविलयन के फलस्वरूप उनके द्वारा प्रस्तुत शासकीय सेवा से त्यागपत्र महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश बालियर ने दिनांक 25-4-1979 पूर्वाह्न से स्वीकृत किया।

ह० अष्टनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त, 1979

सं० 40/79/जी०—राष्ट्रपति जी० निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री राजेन्द्र कुमार वरिया	12 जुलाई, 1978
2. श्री सुरजित कुमार नफरी	12 जुलाई, 197
3. श्री योगेश चन्द्र	29 दिसम्बर, 1978
4. श्री मंजय भगवन्त मोहरिल	1 जनवरी, 1979
5. श्री सुमित्राभ वास	2 जनवरी, 1979
6. श्री एस० एलांगो	3 जनवरी, 1979

7. श्री राजिव गुप्ता	5 जनवरी, 1979
8. श्री वाई० बेनकाटेश्वर राव	5 जनवरी, 1979
9. श्री लालजारलियाना रेनथली	13 जनवरी, 1979
10. श्री एस० प्रधान	15 जनवरी, 1979
11. श्री के० के० सिन्हा	26 जनवरी, 1979
12. श्री नवनीत कुमार बाराशने	28 मार्च, 1979
13. श्री पृथ्वीराज मिश्र	4 अप्रैल, 1979
14. श्री बौ० के० पण्डा	13 अप्रैल, 1979
15. श्री सुरभीर कुमार पांडे	25 अप्रैल, 1979
16. श्री देवाशीश दत्ता	27 मई, 1979
17. श्री जी० ज्ञानह्या	14 मई, 1979
18. श्री खानडू सोमा	8 जून, 1979

दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० 43/79/जो०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री पौ० एन० सान्ध्याल, स्थानापन्न अफसर सुपर-बाइजर (मौलिक एवं स्थायी ए० एम० श्रो०) दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० 44/79/जो०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० के० दालाल स्थानापन्न प्रबन्धक मौलिक एवं स्थायी उप प्रबन्धक दिनांक 30-4-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक
आर्डनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मरु नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/13/12/79-प्रशासन (राज०)/6704—राष्ट्रपति, सिचाई विभाग, बिहार-पटना में संयुक्त सचिव श्री ए० घोष, भ० प्र० सं० (बि०-1971) को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय में 17 अगस्त, 1979 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सी० वैकटरमन,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग प्र०-१)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० ए०-१/१(1142)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री डौ० सी० राय चौधरी अधीक्षक को दिनांक 7-8-1979 के पूर्वाल्प से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में श्री टॉ० के० चक्रबर्ती सेवा निवृत्त के स्थान पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री डौ० सी० राय चौधरी दिनांक 7-8-1979 से 2 वर्ष के लिये परिवैधाधीन होंगे।

दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० प्र०-१/१(1103)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री जो० नन्दीगा को दिनांक 7-8-1979 के पूर्वाल्प से निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म), बर्नपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर

उप निदेशक (प्रशासन),

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० ई०-१-१२(16)/79(.)—श्री दिलिप कुमार दाम गुरा, अधीक्षक को एतद्वारा सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर 4-9-1979 के पूर्वाल्प से स्थानापन्न रूप से तदर्थे नियुक्त किया जा रहा है।

पी० के० सरकार,
लोहा और इस्पात नियन्त्रक

कलकत्ता-20, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० ए०डमि० पी० एफ० (53)/53 (.)—निवर्तन की वय के होकर श्री एस० आर० बर्ज्मा चौधरी, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक, 31 जुलाई, 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० ए०डमि० पी० एफ० 492 (.)—निवर्तन की वय के होकर श्री एम० एन० बर्जी सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 30 जून, 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० ई०-1-12(7)/77 (.)—निवर्तन की बय के होकर श्री एस० आर० बनर्जी, सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक 31 अगस्त, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत हो गए।

एस० के० बासु,
लोहा और इस्पात उप नियन्त्रक
हृते लोहा और इस्पात नियन्त्रक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० एफ० 11-9/77-ए०-1—अभिलेख निवेशक, भारत सरकार एतद द्वारा, श्री मंजूर अली, स्थायी लेखाधिकारी और नियमित अस्थायी सहायक अभिलेखाधिकारी (येड-1) (ओ० आर०) को बिल्कुल तदर्थ आधार पर जिस तारीख से वह राष्ट्रीय अभिलेखागार भोपाल में अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) का कार्यभार ग्रहण करेंगे उसी दिन से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए किसी भी प्रकार का दावा करने का अधिकार नहीं देती और नहीं आगे अन्य ग्रेड से पदोन्नति के लिए वरिष्ठता संबंधी योग्यता के लिए गिनी जाएगी।

भीम सेन कालडा,
प्रशासन अधिकारी,
हृते अभिलेख निवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० ए० *19019/1/79-के० स्वा० से० यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० मान सिंह को 31 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से होम्योपैथिक कार्य चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष,
उप निवेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० ए० 38014/8/78-प्रशासन-II(I)—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री सत्य प्रकाश सेवा निवर्तन आयु के हो जाने पर 31 जुलाई, 1979 अपराह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

शाम लाल कुलियाला,
उप निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए० 12026/8/78-एस० आई० (1)—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्री एस० एल० सचदेव को 8 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, करनाल में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त शर्तों के आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/8/78-एस० आई० (2)—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्री बी० के० चटर्जी को 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त शर्तों के आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई,
विशेष कार्य अधिकारी (स्टोर)

परमाणु ऊर्जा विभाग
क्रय और भंडार निदेशालय
बम्बई-400001, दिनांक 16 सितम्बर 1979

संदर्भ सं० डी० पी० एस०/23/1/79/स्थापना/23291—निवेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री सी० बी० गोपाल कुण्डन, सहायक कार्मिक अधिकारी को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थाई (वरिष्ठ) आशुलिपिक श्री मूर्येद्ध विणु गोपालन् को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर रखवे 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के बेतन क्रम में दिनांक 22 जून, 1979 से 27 जुलाई, 1979 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
महायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास क्षेत्रीय क्रम यूनिट
मद्रास-८, दिनांक 9 अगस्त 1979

सं० एम० आर० पी० य०/200(150)/79-प्रशासन—क्रय और भंडार निदेशालय के क्रय और भंडार निवेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र भंडार, कलपाक्कम के भंडारी श्री पी० बी० प्रभाकरन को 2 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से 4 मई, 1979 के अपराह्न तक उसी यूनिट में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगचारी,
क्रय अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 21 अगस्त 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1321)/79-प्रशासन—आक और तार लेखा-परीक्षा कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी

(लेखा-परीक्षा), श्री टी० के० कृष्णामाचारी को उनकी प्रतिनियुक्ति डाक और तार लेखा परीक्षा कार्यालय से इस परियोजना में होने पर 26 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक के लिये इस परियोजना में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० बालकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी,
कूते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० ५० ख० प्र०-१/१/७९-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री गिरीश भल्ला को १८ अगस्त, १९७९ की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० १/१/७९-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री हिमाद्री धोष को ५ सितम्बर, १९७९ की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

सं० ०५०४५/७९/५४०९—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी इसके साथ श्री सुरेश चिन्तामन ठाकुर, सहायक कार्मिक अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को १ जनवरी, १९७९ से मूल रूप से उसी पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ०५०४५/७९/५४१०—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी इसके साथ श्री कलमकशी थोमस जोस, सहायक कार्मिक अधिकारी, भारी पानी परियोजना (कोटा) को १ जनवरी, १९७९ से मूल रूप से उसी पद पर नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 9 अगस्त 1979

आदेश

सं० टी० ए० पी० एस०/२/४७४/६७—जबकि चिकित्सा मंडल द्वारा २८ दिसम्बर, १९७७, १७ बई, १९७८,

१३ नवम्बर, १९७८ और ११ जुलाई, १९७९ को, श्रीमती सरोजिनी शशिधरन, परिचारिका, टी० ए० पी० एस० चिकित्सालय की जांच किये जाने पर, उनकी मानसिक स्थिति अर्थात् पैरानायड श्रीजोकेनिया के कारण, उन्हें टी० ए० पी० एस० चिकित्सालय में परिचारिका के रूप में सेवा करने के लिये पूर्ण रूप से स्थायी तौर पर अक्षम पाया है;

और जबकि चिकित्सा मंडल को प्रतीत होता है कि उनकी अक्षमता का कारण अनियमित या असंयमी आदतें नहीं हैं;

इस लिये श्रधोहस्ताकारी एतद् द्वारा आदेश देते हैं कि यदि श्रीमती सरोजिनी शशिधरन इस आदेश के दिये जाने की तिथि से एक माह की अवधि से पहले अपनी सेवायें समाप्त न करता चाहें तो इस आदेश के दिये जाने की तिथि से एक माह की अवधि के बाद श्रीमती सरोजिनी शशिधरन की सेवायें समाप्त कर दी जायेंगी। यदि वे चाहें तो एक माह की अवधि के भीतर प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य अर्थात् ऐसा करने के लिये उचित आधार है सहित चिकित्सा पुनरीक्षण मंडल द्वारा जांच कराये जाने के लिये आवेदन कर सकती हैं और यदि वे चिकित्सा पुनरीक्षण मंडल द्वारा जांच कराये जाने के लिये आवेदन करती हैं तो नियमानुसार वे गुल्क का भुगतान करने के दायित्व के अधीन होंगी। चिकित्सा मंडल की रिपोर्ट दिनांक ११-७-१९७९ की एक प्रति संलग्न है।

के० पी० राव,
मुख्य अधीक्षक

महानिदेशक नागर विभानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० ए० ३८०१२/१/७९-ई० सी०—निवर्त्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत होने पर निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दी गई तारीख से और स्टेशन पर अपने पद का कार्यभार स्थाग दिया था:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृति की तारीख
१. श्री एम० एस० अदैकलम	वैमानिक संचार	३१-७-१९७९	सहायक तकनीकी अधिकारी
२. श्री सी० टी० राजन	वैमानिक संचार	३१-७-१९७९	सहायक तकनीकी अधिकारी

दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए० ३२०१४/३/७९-ई० सी०—महानिदेशक नागर विभानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों की वैमानिक संचार संगठन में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से

ग्रीष्म दिण गए स्टेशन पर तदर्थे आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्रम सं	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहां तैनात किया गया है	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री वी० आर० अनन्तरामन	वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास	संचार स्टेशन, (पूर्वाह्न)	20-7-1979
2.	श्री ए० स० के० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	संचार स्टेशन, संचार स्टेशन, (पूर्वाह्न)	28-7-1979
3.	श्री कुलवन्त सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, जमशेदपुर	वैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेश्वर	30-7-1979

एस० एन० मोतवानी, विशेष कार्य अधिकारी

मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

बड़ौदा, दिनांक अगस्त 1979

सं० 11/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-11 के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” के अधीक्षक श्री वी० वी० कंसारा, जो हाल में सहायक समाहर्ता के० उ० शु० मण्डल-11 अहमदाबाद में स्थित है, वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1979 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

जे० एम० वर्मा,
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19012/726/78-प्रशा० वी—ग्राम्यक, केन्द्रीय जल आयोग श्री बलदेव राज पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 31-5-1978 की अपराह्न से पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थे आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अगस्त, 1979

मैसर्स शिरो प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस

सं० लिक्वि० 3228/14368—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 3-1-1978 के आदेश से मैसर्स शिरो प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्ति होना, आदेशित हुआ है।

मैसर्स सुरेन्द्रा स्टील माल्ट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० लिक्वि० 5442/14367—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 13-12-1977 के आदेश से मैसर्स सुरेन्द्रा स्टील माल्ट लिमिटेड का परिसमाप्ति होना, आदेशित हुआ है।

एस० पी० वसीष्ठा, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1979

आयकर

फा० सं० सी० आई० टी०-4/जुरि०/79-80/2983—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों, तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 1-9-1979 से निम्नलिखित आयकर संकिल बनाया जाएगा:—

डि०-3-ई० (1), नई दिल्ली।

सं० फा० जुरि-दिल्ली-4/79-80/2984—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सकिलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार-स्थेन में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में

उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—
अनुसूची

रेज-1	आयकर डि०/सर्किल
(1)	(2)

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त डिस्ट्रिक्ट-३-ई० (1), नई रेज-३-ई०, नई दिल्ली

डिस्ट्रिक्ट-३-ई० (1), नई दिल्ली

यह अधिसूचना 1-9-1979 से लागू होगी।

रणबीर चन्द्र,

आयकर आयुक्त, दिल्ली-४, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-५

नई दिल्ली, दिनांक १ सितम्बर 1979

आयकर

सं० जुरि०-दिल्ली-५/७९-८०/१९४७०—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त

अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-५, नई दिल्ली निवेश करते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-१ में निरिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-२ में निरिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगैंचे या आय या आय के बगैंचे या मामलों या मामलों के बगैंचे के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
(1)	(2)

1. निरीक्षीय सहायक आयकर डि० 2, नई दिल्ली के सभी आयुक्त रेज-५ ए०, नई दिल्ली वार्ड/सर्किल

यह अधिसूचना 1-9-1979 से लागू होगी।

के० आर० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-५, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, आयकर भवन लुधियाना
 रोहतक, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एच० एस० आर०/3/78-79—अतः, मुझे, ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रक्बा 46 कनाल 2 मरले हैं तथा जो ग्राम सातरोड़, हिसार देहली रोड़ में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या.
 (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
 2-256G/79

1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री नानक निवासी सातरोड़ (हिसार) (अन्तरक)

2. श्री ओंकार मल मित्तल मार्फत मैसर्स मित्तल पाईप मैन्यूफैशनिंग कं० देहली रोड़, हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्त्र द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्बा 46 कनाल 2 मरले जो कि देहली रोड़, हिसार में ग्राम सातरोड़ में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकरण हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2922 तिथि 1-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी
 मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 7-9-1979

मोहर:

प्रदूष प्राई. डी. एल. एम. —

आय एवं प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं. आई. ए. सी. ०/प्रयु०-१/एस० आर० III/
दि० II (34)/78-79—प्रतः, सुन्न, कुमारी अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि प्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. ई० 485 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई देल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
नई देल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-12-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूमे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पाइह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें वर्चने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, लिपान में
सुधार के लिए;

अतः आज, उसने प्रधिनियम की धारा 269-व्य के
अन्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम सी धारा 269-व्य की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश गुप्ता, 2. श्री कैलाश चन्द, 3.
श्री चन्द्र प्रकाश 4. श्रीमती ऊषा देवी 5. कु० श्रीना रानी
6. शशी कान्ता और 7. चिन्ता मनी, पता के०-48,
सरोजनी नगर, नई देल्ली। (अन्तरक)

2. श्री बी० एल० कपूर (2) श्रीमती सरला देवी
कपूर पता—ई०-317, ग्रेटर कैलाश-II, नई देल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिता सत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिता, जो भी
प्रबंधित वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रथम अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही प्रवृत्त होगा जो उस प्रधायात्र में दिक्षा
गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर ई०-485 ग्रेटर कैलाश, नई देल्ली जिसकी
बाउण्ड्री निम्नलिखित है :—

पूर्व: सर्विस लेन
परिचय—रोड़
उत्तर—नं० ई०-483
दक्षिण—नं० ई०—487

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख: 12-9-1979

मोहर:

प्रकृति पाई दी, एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/
12-78/895—अतः, मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-467 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कायालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीक्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1978
को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से रुचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आमिलियों
परों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात्।—

1. डा० प्रभा दयाल खन्ना पुत्र श्री वासु राम खन्ना,
पता—म० न० 1178 कुचा फलादखान काला महल के
पास दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती मधु अग्रवाल पत्नी श्री एस० अग्रवाल पता—
एच-16 अर्जन रोड (एक्स०), नई दिल्ली।

श्री अरुण कुमार मित्तल सुपुत्र श्री रेवती प्रसाद मित्तल
गनतोला मोहल्ला, पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त साति के प्रयोग के
लिए कायालयित्वा करता है।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत संबंध में कोई भी आंशिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूमि की
तापील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
धार में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्योक्त अवक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवड़ किसी प्रन्य अवक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उक्त पदों का, और
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही भव्य होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नम्बर ई०-467 ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में है जिसकी बाऊण्डी निम्नलिखित है:—

पूर्व—प्लाट नं० ई०-465

पश्चिम—प्लाट नम्बर ई०-469

उत्तर—सर्विस लेन

दक्षिण—रोड़।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०—I/एस० आर०—
III/दि० I(10)/78-79/839—प्रत: मुझे, कु० अंजनी
ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मेजानिन स्टोर सनिमा है तथा जो कम्पलैक्स
बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसंबर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकरण के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिकरण से ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रमत्रकरण (प्रमत्रकरणों) और प्रमत्रिती
(प्रत्यारितियों) के बीच ऐसे प्रमत्रण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्रण निवित में
वास्तविक रूप से कर्यात् नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्रण से ही किसी पाय की बाबा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देय के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उसमें उव्वत्ति में सुविधा से
लिए। योग्या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिहू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या उपरामें सुविधा
के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-के अनुसरमें,
नई उक्त अधिनियम, की धारा 269-की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात्:—

1. डि एल० एफ० यूनाइटेड (लि०) 21-22 नरेन्द्रा
प्लेस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती निरूपम कौर आनन्द 2, मैसर्स सोहन सिंह
एण्ड सन्स, कारता सोहन सिंह आनन्द एन/3, साउथ एक्स०
पार्ट-I, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यादियों करता है।

उक्त संपत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू
किसी यथ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनुष्यों

मैजीन स्टोर, सनिमा कोम्प्लैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में है। रजिस्टर्ड माह दिसंबर, 1978।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979
मोहर:

प्र० प्र० प्र० श्री० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/
12-1978/911—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष
के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो गांव सतबड़ी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
मन्त्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) मन्त्रण से हुई इसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसाय आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वाग प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिराने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के उपाग्रह (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त:—

1. श्रीमती मुनीता देवी खंडेलवाल पत्नी श्री आर०
एन० खंडेलवाल 2. श्री महेन्द्र नाथ खंडेलवाल पुत्र श्री
नाथ खंडेलवाल निवासी प्रेम निवास, अपार्टमेंट रोड, वस्वई
(अन्तरक)

2. श्रीमती कुमारी सचदेवा पत्नी श्री शामलाल सचदेवा,
निवासी ई०-273, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीराती अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ अविक्षित द्वारा प्रधोहस्ताकरण के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगरथ:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षुत्रफल 21 बिधा 17 बिसवा
और स्थित गांव सतबड़ी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा
मक्षम अधिकारी
शहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-1979
मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 465/एकुरे-III 78-79/कल—अतः मुझे
भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 1ए है तथा जो रिक्षों रोड़, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्—

1. श्रीमती मुप्रीति मुस्ताफी 98 रिची रोड़, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्रीमती भक्ति सिनहा 1 पंचानन, घोष लेन, कल ०-९
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ पारु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30, दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोवूस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 0 छाटांक 12 स्को० फुट जमीन जो
सं० 1 ग०, रिची रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
राधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
कलकत्ता

तारीख: 9-4-1979
मोहर:

प्रकरण नं. ८१० टी० एम० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं. 466/एक्सी. रॉ-III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है, ये ग्रामीक है और जिसकी सं. 1 ए है तथा जो रिची रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1978 को

पूर्वोत्तरान्तरिक्ष के उपर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोत्तरान्तरिक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रामीक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने का बस्तु बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आव या किसी बन या मन्य प्राप्तियों को छिन्ह मार्टीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती शाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रामकर अधिनियम की धारा 269वां के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, श्री धारा 269वां की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामी मुस्ताकी 1 ए, रिची रोड़, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री मेवगत मरहार 57/12, बालीगंज भर्कुलर रोड़, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तरान्तरिक्ष सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त प्रधान के अन्तरण में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तरान्तरिक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकारण:—इसमें प्रयुक्त गद्दों और एकों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोगाय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगा, जो उग्र प्रयोगाय में विद्या गया है।

प्रनुसूची

करीब 3 कट्टा 12 छटांक 41 स्क्वो० फुट० जमीन जो सं. 1 ए, रिची रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 11-4-79

मोहर:

प्रलेप भाई०टी०एन०एस०—

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० 472/एक्षि० रें०-III/78-80/फै०-

अतः, मुझे, भास्कर सेन

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० दाग नं० 800 खतियान 115 है तथा
जो मौजा ब्रांश द्वोनी, थाना—यादवपुर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय श्रायुक्त में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-12-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्दन
प्रतिशत अधिक है, और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)
(प्रत्यक्षितियों) के बीच से प्रत्यरुण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से लिखा नहीं किया गया है :—(क) प्रत्यरुण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
शांतिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/का(ख) ऐसी किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
शांतिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;अतः उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अधारा (1)1. श्री बादल सेनगुप्त 184 प्रिस अनवर साह रोड,
कलकत्ता-68।
(अन्तरक)2. श्री विज्ञव कुमार चक्रवर्ती और अन्यथा 4 ए,
तिकरी घोष लेन, कलकत्ता-26।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञात के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के प्रमाणमें फाई भी आवेदनः—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित हाय;(इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अस्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।एधोक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 10 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया दोतला
मकान जो दाग सं० 400, खतियान सं० 115 मौजा-
ब्रांशद्वानी, 24 परगना थाना—यादवपुर पर अवस्थित।भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीखः 17-5-1979

मोहर :

प्रह्लाद प्राई. टी. एन. एस. ८०—
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 26९प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 29 मई 1979

निवास सं. ८० ए० सी० २६/रेंज-IV/कल०/1979-80-
यतः, मुझे, एस० के० दामगुप्ता,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-व
के अधीन सकान प्राधिकारी को, वह विवास करने का पारम्परा है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं. पी०-223 है तथा जो सी० आई० टी०
रोड, कलकत्ता-54 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान -
प्रतिकल के लिये प्रस्तुति की बई है और मुझे वह विवास करने
का फारम है कि वहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का प्रत्यह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्याय पाया जाया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक काप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वायत उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने वे अन्तरक के वायिक
में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी पाय प्रा किसी बन पा प्रभ्य आस्तियों
को, जिन्हे मार्तीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्ष
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 26९-व के बनुसरक में
में, उक्त अधिनियम की धारा 26९-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति :—
3-256 GI/79

1. श्री मुभाव चन्द्र घोष तथा सुशील कुमार घोष
(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार धनुका तथा देवकी नन्दन धनुका
(अन्तरिती)

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकारों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में से
किसी अविकार द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अविकार द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
सिक्कित में किये जा सकेंगे।

इवटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पी०-223, सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता-54 में
4 कट्टा 5 छाटांक 26 स्को० फीट जमीन साथ मकान का
मब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं. 5565 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता
सकान प्राधिकारी
महायकर ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 29-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मई 1979

निर्देश सं० 473/पकु० सं०-111/79-80/कल०—अतः
मुझे, भास्कर मेन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है।

और जिसकी सं० पि० 39 है तथा जो सि० आई० टी० स्कीम सं० LXII स्थित है (प्रौ० इसके उचित बाजार अनु-सूची में और दूर्घात स्थित है), रजिस्ट्रीवर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, आदिपुर में, (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्चत :—

1. श्रीमती जानकी देवी 60/2/6 लेक रोड, कलकत्ता।
(अन्तरक)

2. म० श्रिजमिण को० आपरेटिव हाउसिंग सो० लिमि० 12/1 रामकृष्ण घोष रोड, कल०-50। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वावरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 6 छटांक 25 स्को० फु० जमीन जो प्लाट सं० पि-39, सि० आई० टी० स्कीम LXII, बोजा-ढाकुरिया, थाना-यादिपुर, 24 परगना में अविद्युत।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 19-5-1979
मोहर:

प्रकल्प नं. ८० टी० ए० ए० ए०

१. श्री विक्रमजीत राय चौधुरी

(ग्रन्तरक)

भारत प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

२६९४ (१) के अधीन सूचना

२. श्रीमती दलजीत कौर

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, प्रायोकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० मि० /रेंज-IV/कल०/1979-80—
यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

प्रायोकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा २६९४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० १५६/२ वि० है तथा जो वि० टि० रोड, आना बराहनगर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ५-१२-७८ को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रमत्तर (प्रमत्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी पाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन करने के प्रमत्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायोकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

द्वारा: प्रब्रह्म प्रधिनियम की आदा २६९-८ के प्रमुखरूप में, उक्त प्रधिनियम की आदा २६९ व की उपादा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा:—

को यह सूचना आरोपित करता है कि इसका उक्त संपत्ति के प्रब्रह्म के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के प्रब्रह्म के संबंध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की प्रब्रह्म या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से ३० दिन की प्रब्रह्म, जो भी प्रब्रह्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों जैसे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लग्नाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय २०-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

१५६/२ वि०, वि० टि० रोड, कलकत्ता-३५, पर स्थित ९५-२२ स्क्वा० मी० जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि १९७८ का दलिल सं० ५५८२ में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायोकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: १५-६-१९७९

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइवेट थी० एन० एस०---

1. श्री विक्रमजीत राय चौधुरी (अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना।

2. श्री मरदार बच्चन भिंह ग्रेवाल (अन्तरित)

भारत सरकार

भारतीय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० सि० 29/रेज-IV/कल०/1979-80—
यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन संश्लेषण को, यदृ विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 156/2-वी है तथा जो वि० टि० रोड़,
थाना बाराहनगर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़
ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-78
को पूर्वोक्त संश्लेषण के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संश्लेषण का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एवं उसके प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
विवित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संश्लेषण के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संश्लेषण के प्रज्ञन के मध्यम में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तान्त्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरग से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

ग्रन्तसूची

(ख) ऐसी हिसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
प्रम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए ;

156/2-वि, वि० टि० रोड़, कलकत्ता-35 पर स्थित
95, 22 स्क्वार मी० जमीन माथ मकान का सब कुछ
जैसे कि 1978 का दलिल सं० 5583 में और पूर्ण रूप
में वर्णित है।

ग्रा० के० दासगुप्ता
संस्कारक अधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

प्रतः अथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

तारीखः 15-6-1979
मोहरः

प्रख्युप आई० टी० एन० एस० —————

1. नेफ कोन्ट्रोप्रेटिव हार्डसिग सोमायर्टी लिमि०

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

2. श्री विश्वनाथ भर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III,

54, रक्षी अहमद किंदवर्द्दि रोड, कलकत्ता 16

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 487/एक० रेज III/79-80/कल०—अतः
मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम') कहा गया है, की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फुट सं० 8 वि० है तथा जो 95 साउदर्न
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावन अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ममुचा फ्लेट सं० 8 वि०, आठ तटला पर जो 95 साउदर्न
एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, 54, रक्षी अहमद
किंदवर्द्दि रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-8-1979
मोहर :

प्रसप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 488/एक० र० III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके राजन् 'उत्ता प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी साधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट सं० 5ए है तथा जो 95 भाउदर्न प्रयोग्य, कलकत्ता में स्थित है (अर्थात् इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. लेफु कोप्रोपरेटिव हाउसिं सोसायटी लिमि० (अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद सेनगुप्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजावृ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूम्बर्सी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजावृ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, बारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ममुचा प्लैट मं० 5ए, पांच नला पर जो 95, भाउदर्न प्रयोग्य, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सहायक प्राधिकारी,
प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख : 8-8-1979
मोहर :

प्रकाप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश नं 486/एक्य० रे० III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से
अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं 7ई है तथा जो 95, भाउदर्न
पांचेन्हू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के
कर्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधीनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
वास्तुविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. लेक कोश्टपरेटिव हाउसिंग सोमायर्टी लिमिटेड
(अन्तरक)

2. श्री निर्मलेन्दु बेन गुप्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ममूचा फ्लैट नं 7ई, पांच तला पर जो 95, भाउदर्न
पांचेन्हू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-8-1979
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० ई० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश मं० 460/एक्य० रै-III/79-80/कल०—अतः
मुझे, भास्कर सेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी फ्लैट सं० 4 बी० है तथा जो 95, माउंटन
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निष्ठलिखित
चहेश से उक्त प्रस्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने पा उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आरितियों
को, जिन्हें सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निष्ठलिखित अविक्षियों, अवार्त:—1. जेफ कोआपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमि०
(अन्तर्गत)

2. श्री प० सी० गुह (अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ममूचा फ्लैट मं० 4 बी०, चार तला पर जो 95
माउंटन एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।भास्कर सेन
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 8-8-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 491/एक० रे० III/79-80/कल०—
अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 7 वी है तथा जो 95, साउदने
एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायालिय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और सरक (प्रस्तरकों)
और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए
लाय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुद्धण
लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक में कभी करने वा उससे बदलने में सुविधा
के लिए; पौरथा

(ग) ऐसी किसी पाय या किसी धन या पर्याप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1)
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—256GI/79

1. सेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०
(अन्तरक)
2. श्रीमती बिधिका कुन्डु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कायालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिमाखित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लैट सं० 7 बि०, सात तल्ला पर जो 95,
साउदने एविन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद
किदवर्डी रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-8-1979

मोहर:

प्रकाश ग्राही. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ; कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं. 492/एक० रें. III/79-80/कल०—अतः

मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट सं. 4 ए है तथा जो 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों अवात:—

1. लेक कोशापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमि० (अन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार पाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं. 4ए, चार तला पर जो 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-8-1979

मोहर:

प्रष्टप आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश सं 493/एकु० रेंज०-III/79-80/कल०—अतः,
मुझे, भास्कर सेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट सं ० ३ सी० है तथा जो ९५,
साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की जर्ह है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः, प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसार
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, घोषित:—

1. लेक कोआपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी लिमि०
95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता (ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सन्ध्या चक्रवर्ती 20/6, राजा अनन्द्रा
रोड, कलकत्ता (अत्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अवक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाव
लिखित में किए था सकें।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रत्यक्षी

समूचा फ्लैट सं ० ३ सी०, तीन तल्ला पर जो ९५,
साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन,
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

तारीख: 8-8-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय क्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 494/एक० रेज० III/79-80/कल०—
अतः, मुझे, भास्कर सेन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन समाप्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 5 सी० है तथा जो 95, साउदर्न
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), (रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
प्रतिगत से प्रतिक्रिया है और पन्नरक्ष (पन्नरक्षों)
और प्रतिरक्ष (प्रतिरक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्ष
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नी प्राप्त या हिस्ती वन्या या प्रन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आयकर प्रधिनियम की धारा 269-प के प्रतिरक्षण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधाति:—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० 95,
साउदर्न एवेन्यू कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री पी० के० बसु और एस० एन० बसु 2/1
श्यामाचरण दे स्ट्रीट कलकत्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पूर्वोक्तसाक्षाती के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 5 सी०, पांच तल्ला पर जो 95,
साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता पर प्रवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-8-79

मोहर:

प्रकल्प प्राई. टी. एन. एस. —
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. 476/एकू० रें. III/79-80/कल०—
प्रत: मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प्रते से अधिक है

और जिसकी सं. 1 है तथा जो ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 12-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित चर्चे से उक्त अस्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(अ) अस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी बन या पर्याय आविस्तरों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

उत्तर: यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्:—

1. श्री निर्मल कुमार धीप, 1 ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. श्रीमती ब्रिजमनि देवी 16 हांस पुकुर लेन, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बदल के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविस्तरों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविस्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में लिए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 6 छटांक 20 स्को० फुट जमीन साथ
उस पर बनाया मकान का अद्विभक्त हिस्सा जो 1, ज्ञामा-
पुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं.
I-5706/1978 के अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
लहानक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979
मोहर:

प्रस्तुत प्राई. डी. एन. एस. 1961
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकार अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. 477/एकु० रें-III/79-80/कल०--

अतः मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुंचिवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 1 है तथा जो ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पोर मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि शतांश से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें मार्तीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बता, अब उक्त प्रधिनियम की आरा 269 प के अनुसरण में, यै, उक्त प्रधिनियम की आरा 269 प की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवात् ।—

1. श्री निर्मल कुमार घोष, 1 ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्रीमती रामकली देवी, 109, श्रो० रोड, इलाहाबाद, उ० प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिनी करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के व्यवस्था में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

इन्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 6 छटांक 20 स्को० फु० जमीन साथ उसपर बनाया मकान का अविभक्त हिस्सा जो 1 ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दिलि सं. 5705/1978 का अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक अधिकार अधिकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, रफी अहमद किल्डवैड रोड कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्राप्ति प्राई. टी० एन० एस०—
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 478/एक० रे०-111/79-80/कल०—अतः
मुझे, भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-स्थ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी 1 है तथा जो आमापुकुर लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), निस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विवास करने का कारण है कि यथातुवॉक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

आ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1. श्री निर्मल कुमार घोष, 1, आमापुकुर लेन, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी देवि साह, 72/1, गिरिश पार्क नार्थ,
कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पत्रेन के सिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी प्रभावेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में फिर जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रहणाय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही पर्यंत होगा, जो उस ग्रहणाय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 11 छटांक 18 स्को० फुट जमीन जो
1 आमापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल
सं० 5704/1978 के अनुसार है।

भास्कर सेन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदश सं. 479/एकू० र०-III/79-80/कल०— अतः
मुझ, भास्कर सेन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 1 है तथा जो ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्येक रुपए की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रभाव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिकी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी प्राय या किसी धन या मन्त्र प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. श्री निर्मल कुमार घोष, ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. श्रीमती कमला देवी 72/1 गिरिश पार्क, नार्थ,
कलकत्ता।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटांक जमीन माथ उस पर बनाया
मकान का अविभक्त हिस्सा जो 1, ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता
पर अवस्थित और जो दलिल सं. 5703/1978 के अनुमार
है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्रकृप शाई० टी० एन० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 480/एक० रे० III/79-80 /कल०————

अतः मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्येकात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुसूचित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-256GI/79

1. श्री निर्मल कुमार घोष 1 ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती देवी 72/1 गिरिण पार्क नार्थ, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छाटांक जमीन साथ उस पर बनाया मकान का अविभक्त भाग जो 1, ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दिलिल सं० 5702/1978।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 12-12-1978

मोहर :

प्रष्टप थाई०टी०एम०एस०——

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई, 1979

निर्देश सं० 481/एक० रें० III/79 80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी अधिकारी को, यद्यु विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय अधिनियम, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थान से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरमात्र प्रतिफल का पद्धति प्रतिषात से अधिक है और प्रस्तरण (अन्तरकों) और प्रस्तरिति (अन्तरितियों) के होने से प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तेष्ठ से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्तविक रूप से उत्तेष्ठ नहीं किया दिया दिया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी शाय की वाचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी घन या अन्य अधिकारी को जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें सुविधा के लिए ;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री निर्मल कुमार घोष 1, ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. (1) श्री राजकुमार केसरवानी
(2) श्री विजयकुमार केसरवानी;
(3) श्री अशोक कुमार केसरवानी
(4) श्री प्रदीप कुमार केसरवानी सबका पता 72/1, गिरिंग पार्क, नार्थ कलकत्ता। (अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसमें स्वीकृत अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

एकांकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षीकरण

करीब 3 कटौ 11 छटांक 18 स्क० फुट जमीन सम्पत्ति का अविभक्त अधीक्षण जो 1, ज्ञामापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 5707/1978 के अनुसार है।

भास्कर सेन
सभी प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 111, कलकत्ता 16

तारीख: 12-7-1979

मंदिर: .

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई, 1979

निर्देश सं० 482/एक० न०-III/79-80/कल०—अन०,
मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर उन्नति नियम का उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० 51-एन० है तथा जो गरचा रोड़,
कलकत्ता में स्थित है (और इसे उपाबंध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ना अधिकारी के वार्यालय
सियालदह में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियम ने अन्तिम तरीने नियम नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से इसे किसी भाय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलाभा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीत्:—

1. श्रीमती मालमा बेगम, मेहेमनेसा, मौ० अगरक अप्नी
गेहू नूसल हुदा, गेहू दबदुरजोदा, मकतरा बेगम, नाशी
बेगम, मुश्ती बेगम, कावसर आलम और आमगरी बेगम,
मबका पता 50बी०, दिलखुमा स्ट्रीट, कलकत्ता-17।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कल्यानी सेन 51एन०, गरचा रोड़, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने नियम अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तान्त्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुभूति

करोब 3 कट्टा 8 छटाक जमिन माथ उस पर बनाया
स्ट्रक्चरर्स जो 51 एन, गरचा रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 18-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 98/रेज-II/कल०/1979-80—
यतः, मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० 23ए/440 है तथा जो डिं. एच० रोड़,
कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, डिं. रजिस्ट्रार, 24 परगाना, अलीपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-12-197 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. मै० पि० क० सरकार एंड क० (प्रा०) लि०
(अन्तरक)

2. डिलाईट कोप्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस युवरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्यू अलीपुर ब्लाक के, प्रेमिसेज नं० 23/440, डिं.
एच० रोड़, कलकत्ता में 4.75 कट्टा जमिन है।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 25-7-1979

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राइंट ई० एस० एस०—

1. मै० बिडला जूट मैनुफैक्चरिंग को० लिमिटेड।
(अन्तर्रक्ष)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-15/रेंज-II/कल०/1979-80—
यतः, मुझे, एस० सी० यादव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर नमूना, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इयरे से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो मौजा चाकमीर, पी०
एस० महेश्वरला में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनमूची
में और पूर्ण स्वप्न से बणित है), रजिस्ट्रीकरण
कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-12-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का लाभ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उपयोग गया रहा है, तिन्हिंनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित में अन्तरिक रूप से लिया नहीं दिया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को शावत उक्त
अधिनियम के प्रतीन कर देने के अन्तरक के
शावतव में कमो तरों या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी हिसी ग्राम या इसी धन या अन्य ग्रामियों
को जिन्हें भारतीय आदेश प्रविनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया
गया था या दिया जाना वाहिए था, छिगाने में
सुविधा के लिए।2. मै० कटुमनम इलेक्ट्रिकल (प्रा०) लिमिटेड।
(अन्तर्रक्ष)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लायबिलियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस गूचा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि पा तन्मन्वन्वी व्यक्तियों पर
सूचना को तामीर से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस गूचा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।हाथदोक्षरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा चाकमीर, पी० एस० महेश्वरला दि०-24 परगनाम
में 399 डेसी० जमिन है।एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16।

दिनांक: 25-7-1979

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पातः—

प्रस्तुप प्रार्थि० ठी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा०
 269४ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजः, कलकत्ता

कलकत्ता- 16, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 16/रेज-II/कल०/1979-80—
यतः, मुझे, एस० सी० यादव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा
269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा चाकमीर पी० एस० महेशतला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क०) अन्तरराज से दुई किमा आर की बाबत उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या

(४) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे शारीरीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले भल्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिष्ठि के लिए;

अतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ए के अनुसार सरण में मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन विस्तरित व्यक्तियों, प्रसार्तः—

- मै० बिंडना जुट मा० को० लि० 9/1, आर० एन०
मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1। (ग्रन्तरक)
- मै० मारसनस एलेक्ट्रिकल्स (प्रा०) लि० 4, चाँदनी
चौक स्ट्रीट, कलकत्ता-72। (ग्रन्तरित)

को यह सुनना आरे करके पूछोगा परमात्मा के अर्जन के लिए कार्यवाहिनी रखता है।

उक्त सम्पति के अन्तर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचाल की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अमाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भावार उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी एवं व्यक्ति द्वारा, अधोरूपाकाशी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही
यथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्तित्वी

मौजा चाकमीर, पी० एस० महेशतला, दि० 24,
परगनास में 4.97 डेर्सी० जमिन है।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16।

तारीख : 25-7-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० प०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-II, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० प० मि०/ए०-प०/कल०/1979-80—
यतः, मुझे, प०म० सी० यादव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र
के प्रधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
मपए से अधिक है

और जिसकी सं० प० मि०/ए०-प०/कल०/24 परगनाम में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्थूल में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर सदर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाथा गया प्रतिकरण नियमों से उक्त अनुगमन
लिखित में वास्तविक रूप में सहित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण के दृढ़ किसी ग्राम को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे इच्छा में
मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम पा किसी भी ग्राम अस्तित्वों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पारोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिमित्त व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मै० विड्ला जूट मैन्य० को० निं० (अन्तरक)
2. मै० वीनस कलाद्विती (प्रा०) निं० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखके पूर्वी सम्पत्ति के अंतर के
निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किये जा सकें।

इष्टीकारण:—इसमें प्रवृत्त गद्दों प्रौढ़ वर्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिसार्पित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा—चाकमीर, प०म० महेश्वरनाला, जि०-24
परगनाम में 3.90 डेसिमल जमीन है।

प०म० मी० यादव
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रैंज-II, कलकत्ता

तारीख: 25-7-1979

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निदश सं० ए० मि० 46/रेज-4/कल०/1979-80--
यतः, मझे, एस० के० दासगानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 21/1 है तथा जो प्रिन्स बंकिंयार शाह रोड
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. मै० कृ अ० रेजेन्ट बैंकरेजेम लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती अनुपमा रक्षित (अन्तरिती)

की यह सूचना भारा करने पूर्वी सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) प्रतिरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी वन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के
लिए;21/1, प्रिन्स बंकिंयार शाह रोड, कलकत्ता, थाना-
टालीगंज स्थित 2 कट्टा 6 छटाक जमीन के सब कुछ जेसे
कि 1978 की दलील सं० 6918 में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है।एस० के० दासगान
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेज-4, कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वाकियों अथवा :—तारीख : 30 जुलाई, 1979।
मोहर :

प्राई० ई० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 46/रेंज-4/कल०/1979-80—
यतः, मुझे एस० के० दासगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 21/1 है तथा जो प्रिन्स बक्सियार शाह-
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तारकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बौद्धिया(म) ऐसी किसी भाव या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने
सुविधा के लिए;अतः प्रत्येक उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविष्यों, अवार्त :—
6—256GI/79

1. मेसर्स ऐरियेन्ट बेबेरेजेस लिं० (अन्तरक)

2. श्री शेबगत राय चौधुरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविष्यों पर
सूचना की तभील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविष्यों में से किसी अविष्ट द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अविष्ट द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बक्सियार शाह रोड, कलकत्ता में स्थित
2 कट्टा 7 छटाक जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 की
दलील सं० 7130 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।एस० के० दासगुप्ता
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 44/रेंज-III/कल०/1979-80—
यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1 है तथा जो प्रिन्स बैक्सियार शाह
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रन्थनित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ही किसी धार्य की बाबत, उक्त व्यविधियम
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे अचलन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या अनन्कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अस्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
वा या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धब्ब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—

1 मेसर्स ऑरियेन्ट बेवेरेजेस 'लि० (अन्तर्रक्ष)

2. श्रीमती कमला देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मध्याति के प्रत्येक लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
पर्याप्त व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बैक्सियार शाह रोड, मौजा कांकुलिया,
जे० एल० सं० 40, थाना टालिगंज, जिला-24 परगना
स्थित 2 कट्टा 13 छटाक 37 स्क० फि० जमीन के सब
कुछ जैसे कि 1978 की दलील सं० 6916 में और पूर्ण
रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीखः 30-7-1979
होरः

प्रष्टप ग्राई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-51/रेज-4/कल०/1979-80—
यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आरा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 55 है तथा जो सरत बनर्जी रोड़, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपागम अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 13-12-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरि-
तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के सिए तथा पाया गया प्रतिफल,
विभन्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचते में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी बत का प्रथ्य वास्तवों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वयं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः पर, उक्त अधिनियम की आरा 269-अ के प्रश्नसंख्या में,
उक्त अधिनियम की आरा 269-अ की उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुमुम जाजु, राजेन्द्र बरमन (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी देवी आगरवाला, अशोक आगरवाला
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो उक्त पूर्वोक्त मंत्रित के बर्देन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त मंत्रित के बर्देन के संबंध में ज्ञाह भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अवधि द्वारा भ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इन्होंने :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

55 सरत बनर्जी रोड़, पी० एस० टालिंगंज, कलकत्ता
स्थित 6 कट्टा 9 छटांक 34 स्कॉ० फुट जमीन पर
मकान के जैसे के 1978 का तालुक सं० 5740 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेज-IV; कलकत्ता

तारीख : 31 जुलाई, 1979।
मोहर :

प्रस्तुप अद्वैती ८० एत० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० ५०/रेज-IV/कल०/१९७९-८०—
यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 55 है तथा जो डा० सरत चट्टर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रभारक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या प्रच्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायक प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रष्टा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कुमुम जाजु, राजेन्द्र बरमन, पुनिल बरमन लाभ बरमन, कुस बरमन, सविता बरमन (अन्तरक)

2. श्री पासाराम पारिक, टोल्लाराम पारिक, खेमराज पारिक (प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी व्याख्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रधिय बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभासित है, वही वर्णन होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

55 सरत बनर्जी रोड, पि० एस० टालिमंज स्थित 6 कट्टा 9 छटांक 20 स्को० फुट जमीन पर मकान के जैसे के 1978 का दलिल सं० 5739 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
गक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 16 अगस्त, 1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उच्चान्त रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० मि० 48/रेज-4/कल०/1979-80—
यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-प
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1, है तथा जो प्रिन्स बक्तियार शाह
रोड़, कलकत्ता-33 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1978
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रारूप्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मेसर्स ओरियेन्ट बिबरजेस लि० (अन्तरक)
- श्री तेजेन्द्र कुमार सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के प्रजंत के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बक्तियार शाह रोड़, थाना-टालिगंज,
कलकत्ता-33 स्थित 1 कट्टा 14 छाटांक जमीन के सम कुछ
जैसे कि 1978 का दलिल सं० 6919 में और पूर्ण रूप
से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
उच्चान्त रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 31-7-1979
मोहर:

प्रलेप आई. दी. एम. एह०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अगस्त 1979

निर्देश सं. 486/एकु० रॅ० III/79-80/कल०—
अतः, मुझे, भास्कर सेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं. 22 है तथा जो देवेन्द्र लाल खान रोड़,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलिपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल
के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पक्का प्रतिक्रियता
अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जाया
प्रतिक्रियता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
दास्ताविह द्वारा से छाया गया है:—(a) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(b) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें मार्टीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अस्तैतः:—1. श्री सुशीर चन्द्र मित्र, 19 कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरक)2. मै० खेतान सेविंग्स प्रा० लिमि० 46 सि०
जवाहरनाल नेहरू रोड़, कलकत्ता। (अन्तरिती)

3. 1. मै० खेतान फिज प्रा० लि०

2. मै० आटो सर्विसेज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)जो यह सूचना द्वारा उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कारबाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में डॉइ भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में छिपाव
किसी अन्य अविकल्प द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।उपचारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-ए में परिवर्तित हैं;
वही अवधि होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है

अनुसूची

समूचा दो तल्ला मकान और स्टॉचरर्स साथ 28 कट्टा
4 छटाक 20 स्को० फु० जमीन जो 22, देवेन्द्र लाल खान
रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।भास्कर सेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 4-8-1979

मोहर:

प्रेषप आई० टो० एन० एस०————

1. श्री अंजित कुमार मित्र

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

2. मै० कोलाइट केमिकल्स प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

कलकत्ता, दिनांक 6 अगस्त 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीराली व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही प्रयुक्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से मुँह किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वादित में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या व्याय आस्तियों को
जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
या, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रेमिसेस नं० 8, गिरीश चन्द्र धोष रोड, मौजा काली-
बह, पी० एस० दम दम, जिला 24 परगना।

एस० सी० यादव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 6-8-1979
मोहर:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुत्तरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

प्रमुख पाई० डॉ० एन० एम०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 24/रेंज-II/कल०/1979-80--
यतः, मुझे, एम० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13ए और 13बी है तथा जो आरीफ
रोड, मौजा ऊलटाडांगा, पि० एस० मानिकतला में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख 18-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिकरण से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में
भारतीय रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

1. श्री प्रकाश चन्द्र साहा

(प्रस्तरक)

2. श्रीमती ऊषा देवी जायसवाल

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के लिए कार्यालयों करता हूँ ।

इस सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में लोई भी ग्राहोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
शब्द होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के प्रस्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावें
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि का माप 5 कट्टा, 15 छटांक 38 स्क्वार० फु०
जो कि 13ए और 13बी आरीफ रोड मौजा ऊलटाडांगा
पी० एम० मानिकतला में अवस्थित ।

एस० सी० यादव
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपचाय (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

तारीखः 9 अगस्त, 1979

मोहरः

प्रष्टप प्राई. टी. एस. एस. —

1. श्री निवारन चंद्र माहा

(प्रत्यक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती माविनी देवी जायमवाल (साहु) (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं. ए० सि० 23/रेज-II/कल०/1979-80—
यतः, मुझे एस० सी० यादवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास्तरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं. 13ए/23 है तथा जो आरीफ रोड़,
मौजा उलटाडांगा, पी० एस० मानकितला में स्थित है (और
इससे उपांवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-12-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुतियों की गई है और मुझे यह विषयास्तरने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिफल अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, विभ्नलिखित
उपर्युक्त से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—(क) अस्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत सक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, चिपाने
में सुविधा के लिए;यतः इन उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
उपर्युक्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपर्याकरण (1) के अधीन विभ्नलिखित अधिकारी, धर्षतः—
7-256GI/79को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी व्यक्तियः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मयस्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।स्वत्वान्वयनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
किया है।

अनुसूची

भूमि जिसका माप 6 कट्टा, 0 छटांक 1 स्को० फु०
है तथा जो 13ए/23, आरीफ रोड़, मौजा उलटाडांगा,
पी० एस० मानकितला में अवस्थित।एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीखः 9-8-1979

मोहरः

प्रकृष्ट प्रार्द्ध २० टो १० एस—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सि० 52/एक्विं रेंज-IV/कल०/1979
यतः, मुझे, एस० के० वासगुप्ता
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० 163/1 है तथा जो एन० एस० रोड़,
बांकुड़ा, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 8-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथावर्तीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (प्रतिफलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रसिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिफल से बहुत किसी पाव और बाहर उक्त अधिनियम के
प्रधीन कर देने के अन्तरक के वापरित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या सम्बन्धित
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विषे;

अ.उक्त अधिनियम की बारा 269-वा के प्रमुखण्ड
में, मैं, उक्त अधिनियम, की बारा 269-वा की उपशारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रवर्ति:—

1. श्रीमती महामाया देवी उर्फ सेन (अन्तरक)
2. श्रीमती गीता रानी हाजरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बंधी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, भी भी प्रवधि तारी
में समाप्त होती हो, के भोवर पूर्वोक्त अविक्तियोंमें
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अप्रोडस्टाफरी के पास
विलित में किये जा सकें।

स्वास्थ्यकरण:—इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-वा में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त शब्दों में
दिया गया है।

अनुसूची

163/1, एन० एस० रोड़, बांकुड़ा, जिला हावड़ा स्थित
9 कट्टा 3 छाटांक, 35 स्कॉ० फिट जमीन के सब कुछ जैसे कि
1978 का दलील सं० 1847 में और पूर्ण रूप से वर्णित
है।

एस० के० वासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 9-8-1979
मोहर:

प्रख्यात माई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर यायकत (निरीक्षण)

प्रज्ञम रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई 1979

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 137/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के
प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति वितका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 40-1-920, 920/ए, तिलक रोड़,
है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर
1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनुरिती
(अनुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उससे ध्वनि में सुविधा के लिए। धौर्या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या शृण्य आन्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
श्वोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाता थाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

धरण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनु-
सरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269 की उचित
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1. (1) श्री अबान एच० रस्तमजी 3-सी,
(2) कुसरो-एन० बरुच्चा बाबू
(3) फहक एन० बरुच्चा पुणे। (अन्तरक)
2. श्री डी० सीतारामश्वा
डी० वेनकटराऊ, 4-1-920 तिलक रास्ता, हैदराबाद
(अनुरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजेन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के बजेन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तसर्वेधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्येक अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

उपर्युक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में
परिभासित है, वही प्रयोग होगा, जो उक्त
अवधाय में विया गया है।

अनुसंधान

दो मांजला घर और बाजू के घर वीस्टेन 883 वर्ग
यार्ड मकान नं० 4-1-920, 4-1-920/ए और 4-1-
920/ई० दीनबाद स्टेट, तीलक रास्ता, हैदराबाद में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5257/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर यायकत (निरीक्षण),
प्रज्ञम रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-7-1979

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निवेदा सं. आर० ये० सी० नं. 138/79-80—यतः
मुझे, क० क० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8-2-700/ए रास्ता नं. 12 है, जो
बनजारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए। अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
द्वारा से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) श्रवदुल्ला बीन मोहम्मद पिता उमर
नवाबाजांग (2) श्रवद बीन मोहम्मद (3) श्रीमती सुल्तानीसा
(4) श्रीमती शमशीनीसा बेगम, (5) श्रीमती सरदारनीसा
बेगम, (6) बीकारुनीसा बेगम, (7) मोहसिन बीन मोहम्मद
(8) अमर बीन मोहम्मद तमाम धर नं. 10-2-6-
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती सविता क्रीशणा पति पी० वी० क्रीष्णा
रेडी 3-8-166/1, हैदरगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्थ अवित्त द्वारा अवोहस्ताकारी के पास लिखित में
किये जा सकें।

सम्बोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20क में परिभासित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं. और प्लाट नं. 2-8-2-700/ए रास्ता नं.
12 बनजारा हिल्स हैदराबाद—जुमला वीस्टेन 1045
वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 3381/78 उपर रजिस्ट्री
कार्यालय कैरताबाद में।

क० क० वीर
संस्कार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 28-7-1979
मोहर:

प्रस्तुप अर्हो दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 139/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269च के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-1062, 1063 है, जो बोगुलकुन्टा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन अर्थात् :—

1. (1) श्री दी० सुदीर कुमार (2) दी० दिलीप कुमार घर नं० 4-1-1062, 1063, बोगुलकुन्टा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) डॉक्टर नन्दन सिंह (2) डॉक्टर विजया नन्दन सिंह घर नं० 4-1-898, तीलक रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-1062 और 4-1-1063, बोगुलकुन्टा हैदराबाद में हैं वीस्तेन 315 वर्ग थार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5357/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-7-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979
 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 140/79-80—यतः मुझे,
 के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-घ
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विवास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 हपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/3 है, जो आदर्श नगर
 हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
 हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का
 पक्षहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
 निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपचारा (1)
 के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:—

1. श्रीमती हन्दिरा देवी पति वी० राजेश्वर राव घर
 नं० 8-2-350/5-ए बनजारा दिल्स हैदराबाद जिसका
 अधिकारी वी० राजेश्वर राऊ है। (अन्तरक)

2. श्रीमती ली लीमांग चींग यींग (2) ली० ली० हान
 (3) ली० ची० हाऊ (4) ली० ची० ची० जी० जी० तमाम का घर
 5-9-22/42/3 आदर्श नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तदसम्मधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों य से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-22/43 जमीन का सता पर वीस्टेन
 813-73 वर्ग फीट आदर्श नगर हैदराबाद में रजिस्ट्री
 दस्तावेज नं० 5379/78 रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 2-8-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निकेश सं आर० सी० नं० 141/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर०-14, और 15 है, जो तीलक रास्ता, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथम पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरिक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण विधिवत् में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वादत, उक्त वार्ताधिकार के प्रत्यक्षकों के प्रत्यक्षके शायित्व में कमी करो या उक्ते वचने में विविध के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी धारा की वादत, उक्त वार्ताधिकार के प्रत्यक्षकों के शायित्व में कमी करो या उक्ते वचने में विविध के लिए;

अतः अब, उक्त प्रतिनियम, की धारा 269-व के प्रत्यक्षण में, मैं, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-व की उपावन्द (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षितीयों, अर्थात् :—

1. मै० कीशणा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-6/2 आवीद रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स श्रीनिवास और प्रसाद घर नं० 4-1-938/आर०-14 और 15 दो मंजिला घर तीलक रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरिक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

इस प्रकाश के प्रचंड में कोई भी वाक्यनामः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षितों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अविक्षित द्वारा धर्मोदर्शनाधारी के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टटीकरण :— ममे प्रयुक्त गद्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में विस्तृत है, वही गद्दे होंगे जो उन प्रकार में दिता जाएँ।

अनुसूची

कार्यालय नं० 4-1-938/आर०-14, और 15 दो मंजिला घर तीलक रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5264/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 2-8-1979

मोहरः

प्रतीक्षा शाई० टी० एत० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-४(1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 142/79-80—यतः मुझे
 के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-४
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/7 है, जो आदर्श नगर,
 हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रीर
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपचारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री विद्यासागर राऊ श्री पी० ए० वी० राष्ट्रेश्वरराऊ
 घर नं० 8-2-350/5 ए० बनजारा हिल्स हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स देसीर्हन लिमिटेड घर नं० 5-9-22/42/7
 आदर्श नगर, हैदराबाद (सदर घर नई दिल्ली) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रमाणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5-9-22/42/7 दूसरे मन्जिल सता पर
 आदर्श नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5376/78
 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-8-1979
 मोहूरः

प्रस्तुत आईडी० एन० एग० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269वं (1) के यांगों सूचना

भारत राजकारण

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निवेश गं० आर० ए० सी० न० 143/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वं के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-9-22/42/8 है, जो आदर्श नगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपांचल अनुसूची में और
पूर्णस्पष्ट भौतिकीय अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसंबर, 1978
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और न्यूने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेवें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विभिन्न में वास्तविक
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरण में कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में करी भरने वा जससे बचने में
मुश्किल के लिए; और/वा

(ख) ऐसी हिती आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम
या प्रदूःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या इत्या जाना चाहिए था, छिपाने
में मुश्किल के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं के
प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं की
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित विवरों, अर्थात् :—

8—256G1/79

1. श्री महेश कुमार राऊ पिता वी० राधेश्वर राऊ
8-2-350/5-ए० बनजारा हील्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स भानुमति वसानजी कोटेचा पति० एच०
कोटेचा घर नं० 5-9-22/42/8 आदर्श नगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रजेन के
निये एतद्वारा कार्यवाहिना रखा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्धु किसी अन्य अविक्त द्वारा, अद्योदस्ताक्षरी के
पात्र विवित में हित जा सकें।

रवाणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-वं में परिभाषित हैं,
वही मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5-9-2242/8 दो मंजिला घर आदर्श नगर,
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5377/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संक्षण अधिकारी

सहायता आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-8-1079

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व्य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त, 1979

निरेण सं० आर०ए०सी० नं० 144/79-80—यतः मुझे, के० के० वी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व्य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये से अधिक है और और जिसकी सं० 5-9-22/42/1 है, जो आदर्से नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिसमें सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व्य की उपचारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, (1) भर्ता :—

1. श्री प्रशोक कुमार राऊ पिता वी० राधेश्वर राऊ घर नं० 8-2-350/5/ए० बनजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री आनन्द मोहनलाल पिता श्री मोहन लाल घर नं० 23-1-74 चारमीनार ईस्ट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विनाश किसी प्रम्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

उल्लेखण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रायाय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-22/42/1 आदर्स नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5605/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 3-8-1979
मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० य० सी० न० 145/79-80—अतः मुझे
के० थी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० न० 218 और 219 है, जो चन्द्रलोक
काम्पलेक्स सीकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर,
1978

को पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल
के ग्रन्थ प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आप या किसी धरा या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुष्य संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

(1) स्वास्तीक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी घर नं० 111-
सरोजनी देवी रास्ता सीकन्दराबाद
(अन्तरक)

2. श्री वेंकटा नरसीमाराजु 1-1-300/1/ए/1 अशोकनगर
हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित के प्रत्येक के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संघित के प्रत्येक के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संघित में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और तर्जों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाहित है
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्य

कार्यालय नं० 218 और 219 दो मंजिला घर चन्द्रलोक काम्पलेक्स सरोजनी देवी रास्ता सीकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 559/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० थी०
मनुष्य अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979
मोहरः

प्रधान प्रादेशी एवं प्रतीक

गवर्नर गवर्नरेट, 1961 (1961 का 43) की वारा

1694 (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

निदेश सं 30 आरा० ऐ० सी० नं० 146/79-80—
अतः भुजी के० के० बीरगवर्नर गवर्नरेट, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख
के प्रधान संक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में अधिक है।और जिसकी सं 220—और 221 है, जो चन्द्रालोक
घर निकन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपाबृत्त अनुमूल्य
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978
को पूर्वानुसार उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तर्लिंग की गई है और भुजी यह विश्वास करने का कारण
है कि यथात् उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तर पाया गया परिणाम, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में दास्ताविल रूप से कथित नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,
के अर्थात् कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमों करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसृत

(ख) दोनों हस्तों आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को
दिनहूँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
वर्तमान द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, इधाने में सुविधा के लिए।मता: इव, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसार में,
ए, उक्त अधिनियम की वारा 269-ख की उपधारा (1) के प्रधान,
निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा :—1. स्वास्तिक कन्सट्रक्शन कम्पनी 111—ऐन डी० रास्ता
निकन्द्राबाद (अन्तरक)2. श्रीमान दी० पुर्चीताजेश्वरी 1-10-1/15 आणोक-
नगर हैदराबाद (अन्तरिक्ती)को यह सूचना वारी इसके पूर्वानुसारिति के ग्रन्ति
लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति ने ग्रन्ति के प्रत्येक कार्य भी प्राप्ति—

(क) इस भुजी के राजपत्र ने व्रजाशन को तारीख से 45
दिन की अधिकारी व्यक्तियों पर सूची की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में
भास्तु होनी है, के बीत 1-1/2 अंतिम व्यक्तियों में से किसी
भवित्व नहीं;(ख) इस भुजी के राजपत्र में व्रजाशन की तारीख से 45
दिन के बीते उक्त व्यापार व्यक्ति ने किसी
प्रत्येक अवधि द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
किए जा सके।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदुक्षा शब्दों और पारों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यात् 20क में परिवाप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।आकिस कार्यालय नं० 220 और 221 द्वारा मन्त्रिल पर
घर का नाम चन्द्रालोक नाम्प्लेस-111-वरोंजिती देवी रास्ता
निकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5599/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० बीर
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख : 3-8-479
मोहर :

५० आई० टी० इन० ५८०-----

भारतकर आधिकारी, 1961 (1961 का 43) की वारा।

२६९-१ (१) के अधीन मूलना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रायोग आवाद अनुकूल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

शार ए० सं० नं 147/79—८०—अतः मुझे कै० कै० थीर

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा २६९-ब के अधीन साधारण प्राधिकारी को, वह प्रियांग करने का कारण है कि स्वावर अम्भति, विष्वाला उचित बाजार पूर्व २५,०००/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ७-१-५६ अमीरपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पृह गे धर्मित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैरनावाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त मम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूल्ये यद्य विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भति का उचित बाजार मूल्य, सक्ते दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्भरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अल्लारण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश रो अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से लिखा गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी जात की वादत उक्त अधिनियम के अधीन हर दिन के अन्तराल के द्वायित्व में कभी अन्तरण दा उन्नें बानेमें सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धरण या जन्म आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायोग अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन्दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में शुल्कता के लिए;

आ॒ अब, उक्त अधिनियम दा वाद २६९-ब के अनुसार में, उक्त अधिनियम की आरा २६९-य से उपारा (१) अधीन, प्रियांग व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (१) मै रनगराउ (२) थै० बैकटेश्वर रोड
(३) मै सत्यानारायना घर नं० २-२-११०५/८९/३ नमावला-
बुपटा हैदराबाद (अन्तरक)2. ई० श्रीया परमामुद्रीकलम कम्पनी घर नं०
७-१-५५/१ अमीरपेट हैदराबाद। (अन्तरिती)

का यह सूचना बारों करके रूपांतर सम्भति के प्रबंध के त्रए लायेंशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्भति के प्रबंध ८ संवंद्र में कोई यो प्राप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूलना की तामील में ३० दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित वार्ता के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्थलोकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय २०३ में परिभाषित है, वही भर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घर नं० ७-१-५६ अमीरपेट हैदराबाद वीस्टर्न वरी मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० ३२३३/७८ उप रजिस्ट्री कार्यालय केरताबाद में।

कै० कै० थीर

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : ३-८-४७९

भोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ए० सी० नं० 48/79-80—अतः मुझे के० के० थीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-215/27 पी गास्ट है, जो रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिरूप के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वापिसी में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्लॉक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थी किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के ग्रन्तरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति एस० रानगम्मा परिन एस० नरसीम्मा (2) एस० बालराज, (3) एस० प्रकाश राज (4) एस० गोवीन्द मुरली (5) एस० वेन्कटेशवर राव (6) एम हरीकीशन (7) एम हनुमनतराज (8) एम० शीव शंकर घर 1-8-215/26 लाल बहादुर नगर सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
2. श्री थी० अश्वारपु वीरपा कपडिया विजनेस तम्बाक बाजार सिकन्दरबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अव्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

विषयी हरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली सता का घर नं० 1-8-215/277 लाल बहादुर नगर (पेन्ड्रधास्ट) रास्ता सीकन्दराबाद रजिस्ट्री बस्ताबेज नं० 2998/68 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० थीर
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्तर रेज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आरो. ऐ. सी. नं. 149/79-80—अतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन संक्षम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 7 है, जो ललितनगर कालोनी सिकन्दराबाद में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से क्षिति नहीं दिया गया है:—

(क) प्रभुरण से हुई किसी प्राय की वादत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावंश अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जातिए था, जिसमें मुक्तिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्रीमति पी० सरस्वती धर नं० 1-8-215/11 ललितवाहादुर (नगर) बाग पेनश्रधास्ट रास्ता मिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. (1) रागी रादम्भा (2) रागी नशमी नरम्भा, (3) आरो. मादवाधारी 8-1-712 जीवाजी नगर मिकन्दराबाद (अन्तरीती)

को यह सूचना आरो. उक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के मध्यम में नोई पी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर मूल्यानुकी तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त अधिकारी ने कोई अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथम अधिकारी द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इत्याकिरण:—इसमें प्रयुक्त अब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अब्द होगा जो उस प्रधाय में विद्या बद्ध है।

अनुसूची

मलगी प्लाट नं० 7 ललितनगर कालोनी मारेडपली सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3110/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद में।

के० के० बीर

संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

ग्राम० ए० सी० नं० 150/79:-80—ग्राम० मुख्य के०
के० वीर

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 8-2-623 हैदराबाद है, जो रास्ता नं०
10 बनजारा हीलस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्यस्थी
में और पूर्णस्थित से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्राम० अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा १-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. श्री एस० नारायणमूर्ति धर नं० 8-2-623/०
बनजारा हीलस हैदराबाद रास्ता नं० 10 (अन्तरक)
2. श्रीमति अनीम शहीद नतीक पति मैयद शहीद
लतीक धर नं० 5-9-7/1 राशन मन्जिन सेकापाद हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वी नियम के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में शोई भी ग्रामेष्टः—

- (क) इन सूचनाओं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तारीख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इन सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रत्येक अवित्त द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के
पाय लिखित में किए जा रहेंगे।

हाइड्रोग्राफः—इनमें प्रत्येक ग्रामीण प्रोविन्स का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित है,
वहां प्रथम तोता जो उक्त अधिकार में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 8-2-623 बनजारा हीलस रास्ता नं० 10
हैदराबाद में रजिस्ट्री इस्ताबेज नं० 3340/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979
मोहरः

प्रकृष्ट प्राई. श्री. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आरो. ए० सी० नं० 151/79—80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारत 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट नं० 102 कलायेनराव है, जो एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भीतर अन्तरित (अन्तरिकों) श्रेण अवृत्तियाँ (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों द्वारा, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रदत्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम को भारा 263-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपबादा (1) के अधीन, मिन्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

9—256GI/79

1. मैसर्स उमाकरन और तेजकरन स्थी तेजकरन (2) श्री राजाराम करन घर नं० 8-2-547 बनजारा हिल्ज हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर प्रसाद मोदी घर नं० 76/2 रामगोल-नेट सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई ज्ञानेपन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यय अविक्त द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रब होणा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 102 ब्लाक नं० 1 नीचे का सवा पर विस्टर्न 69-60 वर्गमीटर सरोजिनीदेवी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० सिकन्दराबाद में

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979

मोहर:

प्रधान आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ए० सी० न० 152/79—80—अतः मुझे के० के० थीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, उह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 48 है, जो दीवानदेवई हैदराबाद में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भार्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपामे में सुविधा के लिए;

प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. मेसर्स शाह बुलडर्स घर 22-7-269/3 दीवान देवई हैदराबाद (अन्तरक)

2 श्री दखेज अली रजवी 22-7-268/2 दीवान देवी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लेटरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 48 शामकान काम्प्लेक्स दीवान देवई हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3477/78 उप रजिस्ट्री दस्तावेज नं० और कार्यालय आजमपूरा।

के० के० थीर
सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-8-1979

मोहर :

प्रकल्प श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद विनांक 3 अगस्त 1979

आर० ऐ० सी० नं० 153/79—80—अतः मुझे के०
के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० वार्ड नं० 13 प्रसाद बेटर है, जो गुनतकल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुनतकल
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिसम्बर, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पक्का प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्ली, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित महीं किया गया है ।—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्तर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपचारा (1)
के अधीन लिखित अन्तियों वर्णनः ।—

- मैसर्स प्रसाद प्रोडक्शन लिमिटेड नं० 2 सारंगापानी
गली श्यागरायानगर मद्रास-17 (अन्तरक)
- मैसर्स टी० रत्नमा सेटी गुनतकल अनंतापूर जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधि या तस्वीरधी अन्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से किसी
अन्तियि द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अन्तियि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“प्रसाद”—सेटर वार्ड नं० 13 गुनतकल के पास अनन्ता-
पूर जिला रजिस्ट्री वस्तवेज नं० 988/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय गुनतकल में ।के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रांन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979

मोहरः

प्रकृष्ट व्यापारी दी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० आर० ऐ० सी० नं० 165/79—80—आयत: मुझे के०
के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-मलगीयां 16/706/5 ता है, जो 16/706/9 नागुलमिटा नेलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमात्र प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमात्र प्रतिकल से ऐसे वृद्धमात्र प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्परितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपर्युक्त वचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी जन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

नता: यह; उक्त प्रधिनियम की आरा 269व के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की आरा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों अनुसार:—

1. श्रीमति महालशम्मा पति एस० पेदा सुबारेडी (2) श्रीमति शकुन्तलम्मा नेलूर के निवासी (अन्तरक)
2. श्री वरदा अलवार पिता वैकंठेसेशेय्या धीनाभाजार नेलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अवैतन के लिए जायंवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृष्टिवद्ध किसी धन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20व में परिभाषित हैं, वही अनु शोगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5-मलगीयां नं० 16/706/5, 16/706/6, 706/7, 706/8 और 706/9, बागुलामिटा रास्ता नेलूर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3627/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नेलूर में।

के० के० वीर

सक्षमप्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्रकृत्या आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा०(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 प्रगस्त 1979

नं० आर० ए० सी० नं० 166/79—80—ग्रतः मुझे
के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी नं० 12/3/7 (12-1-150) है, जो पीनावारी गली वरनगल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरनगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए; या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोईमला बुच्चीराजा बसवद्या पिता राजसेकरा घर नं० 8-10-77 पीनावारीगली वसगल (अन्तरक)

2. श्रीमति राजुबारी बहती पति शदाकिशना बहती पीनावारी गली वसगल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधन्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12/317 (नया नं० 12-1-150) पीनावारी गली वरनगल में वीबागी है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4437/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय वरनगल में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-1979
मोहर :

प्रकप ग्राई-टी-एन-एस—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं आर० ए० सी० नं० 167/79—80—अतः मुझे
के० के० बीर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० 3-6-213 है, जो हीमायतनगर में स्थित
है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि ये वास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से ही किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, पर्यातः—1. श्रीमति खमरुमीसा बेगम घर नं० 5-9-87 अली
मन्जिल घापल रास्ता हैदराबाद
(अन्तरक)2. श्री जी० बीटलरेही 3-2-783/1 रसमताबाग घापल
बाजार हैदराबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लए कार्याद्विधान करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकें।एव्हिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-213 हीमायतनगर हैदराबाद में वेस्टन 721
बाड़ I रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5485/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद।के० के० बीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1979

मोहर:

प्रकाप ग्राइंड टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं०आर ए० सी० नं० 168/79--80—आयत: मुझे के० के०
वीर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से
अधिक हैऔर जिसकी सं० 3-6-213 है, जो हीमात नगर हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर, 78
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्भ्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर
अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।आयत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की संपादना (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात:—1. श्रीमति शमरनीसा बेगम घर नं० 5-9-87 अलीमन-
जील घापलगास्ता हैदराबाद
(अन्तरक)2. श्री सी० वी० रामाबद्राराउ (2) सी० राजा (3) सी०
मुनीचेन्द्रराउ इन तीन के पिता मत्यानारायण घर नं०
3-6-213 हीमात नगर हैदराबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत संपत्ति के अर्जन के
लिए कायवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टोक्तरग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त
अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क, में परिचालित
हैं, वही पर्ये होगा, जो उस प्राप्त्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-213 हीमातनगर हैदराबाद वेस्टन 945 धर्ग
यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5488/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1979

मोहर:

प्रकृत आई०टी० एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त, 1979

नं० आर० ए०सी० नं० 169/79-80—अतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।और जिसकी सं० 3-6-213 है, जो हीमायतनगर हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर
78 कीपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के नियंत्रण के नियंत्रण के नियंत्रण के नियंत्रण के नियंत्रण
से उक्त प्रकारण अन्तरिक्त में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया
गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकार के वायिक्ति में कर्तव्य नहीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रकारण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाय (1) के
अधीन निम्नलिखित अन्तरिक्ती, अर्थात् ।—1. श्रीमति शमरनीमा बेगम घर नं० 5-9-87 अलाम-
मन्जिल घापल रोड हैदराबाद (अन्तरक)2. श्री जी० वेंकटरेड्डी पिता जी० एन० रेड्डी सोमपापुर गाउ
के (2) के० विजयनाथ रेड्डी (3) एस० कासीरेड्डी (4) आर०
जननगा रेड्डी इम्प्रीमपटम तालुक रत्नगन्धी जिला। (अन्तरिक्त)को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्भवी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियाँ द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियाँ द्वारा, अप्रोद्दृस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन जिसका वेस्टर्न 568 वर्ग यार्ड है घरनं० 3-6-213
हीमायतनगर हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5487/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाददिनांक : 13-8-1978
मोहर :]

प्रकृष्ट प्राई. टी.एन.एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-क (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

नं० आर० ऐ० सी० नं० 170/79—80—प्रतः मुझे, के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-क के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्त्रित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-6-206 ता० 209 है, जो पब्लिक गारडन
रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्णरूप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्णरूप सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तर्भूत) और पन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर दने के सन्तारक के वासित्व में कभी
करने पा उसने वजने में सुविधा ले लिए; प्रौरथा

(ख) ऐसी रिपी माय या फिला धन या अन्य आस्तियों
को, यिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए या, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की घारा 269-क के अनु-
सरण में, मेरे उक्त अधिनियम की घारा 269-क की उपलब्धा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्पतः—

10—256GI/79

1. श्रीमति नजमा बेगम पिता पा० आर कान (2)
मीम नजीनबेगम पीमा कान 11-5-400 रेहू हीम्बैदरा-
बाद (अन्तरक)

2. श्रीमति रजीमामुलताना पत्नि नवाब श्रहमद इकबाल
कान घर नं० 11-6-206 ता० 209 हैदराबाद (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णरूप सम्पत्ति के अंतर्गत
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णरूप अधिकारी
में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
वर्णा है।

अनुसूची

घर नं० 11-6-206, 207, 208, 209, पहली संग
और 2-मन्जिला घर का नं० 11-6-209/ए और 209/बी-
पब्लिक गारडन रास्ता हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 3337/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979

पोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 31 अगस्त 1979

नं० आर ऐ० सी० नं० 171/79—80—प्रत: मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है,

और जिसकी सं० खुली जमीन घर नं० है, जो 1-2-430
दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर
78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (प्रस्तुरकों) और प्रतिरक्ती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से तुझे किती प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किती प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्योजनार्थ प्रतिरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनु-
सूचना में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

1. श्री धेकरी रामवेन्द्र राठ और सीता महालक्ष्मी 16-11-
1/4 मलकपेट हैदराबाद जी० पी. ये० धी अध्यमा 5-9-47/5
बशीर बाग हैदराबाद
(अन्तरक)

2. मैसर्स सागर कनस्ट्रक्शन घीसका पार्टनर कुमुदलल दीयल-
गुड हैदराबाद
(अन्तरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्ण होगा जो, उस प्रध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

50 प्रतिशत जमीन घर नं० 1-2-430 में बीस्तर्न 250
घर्ग यार्ड है दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5423/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-8-1979
मोहूर:

प्रलूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 प्रगस्त 1979

आर० ए० सी० न० 172/79-80—अतः, मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइनात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269वा के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० कुल जमीन है, जो 1-2-430 में दीमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत में अधिक है प्रोर अस्तरक (अन्तर्स्तों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ।

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। वीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिशती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम को धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

1. श्री चौ० एच० राधवेन्द्र राऊ 16-11-1/40 मलक-पेट हैदराबाद जी० पी० ए० श्री चौ० अच्छद्या 5-9-47/5 बणीरबाग हैदराबाद (मन्तरक)

2. मैसर्स सागर कनस्ट्रक्शन जिसका पार्टनर मुकुन्दलाल पू० स्व० श्रीनिवास फीर एफसी-14 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहीया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी उक्तिदारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भव्य अवक्षित दारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टहोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 प्रतिशत कुल जमीने घर न० 1-2-430 से वेस्टर्न 500 वर्ग यार्ड है दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 5390/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

भार० ए० सी० न० 173/79-80—अतः, मुझे, के०
के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की घारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कुल जमीन है, जो 1-1-230/16/1 धीवा-
इपली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78।

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल मिन्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
षन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-प के अनु-
सरण में, यै, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की वपारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अथात्:—

1. श्रीमति जी० जगदम्बा पत्नि श्री जी० एस० भाष्यम
न० 1-1-230/12 वीवेकनगर चौकाइपली हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति बी० गोरीराजातुकाराम पत्नि श्री बी० तुकाराम
6-1-279/10/1 परमाराऊनगर सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

हराईकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन घर न० 1-1-230/16/1 धीकहपली हैदरा-
बाद में वेस्टर्न 676 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज न० 5467/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1979

मोहर:

प्रधन भाई० टी० एम० एस० ——

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 174/79-80—अतः मुझे, को० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के व्यापक सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-524 दोमालगुडा है, जो हैदरगाबाद में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया को गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि पथारूक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिक्रिया, एवं दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रस्तरकों) और प्रत्यरितों (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उक्त अनुसरण लिखा में वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी धारा की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्री/या

(ख) ऐसी किसी धारा या लिसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमनि चौतामाली पुष्पदावाथस्मा पति सी० अंच्छैया
5-9-47/5 बाशीरवाग हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैमर्स सागर कनस्ट्र शन कंपनी पार्टनर श्री मुकुन्दलाल पीटी 14-एफ० सी० सागर वीयु मकान हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पुर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी भना अवित द्वारा, अधोइम्गामी के पास लिखित में लिखा गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, उनी जरूर जाना जाए, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-2-524 दोमालगुडा गगनमहल, हैदराबाद में पैमाइश 1380 वर्ग गज रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 5520/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 175/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० 3-6-420/अ में है जो हीमायतनगर
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
कम लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का अन्त ह प्रतिशत से अधिक है
और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तर से उक्त प्रस्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कहित नहीं किया गया है:—

(1) श्री आई० एम० शर्मा, पिता श्री लालमणा शर्मा (आय-
कर प्रेक्षीकरण—निजामाबाद) 3-6-420/वी०
हीमायतनगर हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री एम० बाबू राओ० पिता स्वर्गीय एम० बालम्या
11-2-842/2/दी० सीथारामबाग हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यालयीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस पूच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पर तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना वी
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वा०
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रस्तरण से तुर्हि किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वाचित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रम्य प्रारितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह का नं० 3-6-420-ए० पैमाल्श 346 वर्ग शज
हीमायतनगर हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5579/78
उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अगस्त 1979

मोहर :

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की घारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

प्रारूप घाई० टी० एन० एस०—

आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269व (1) के अधीन नृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 176/79-80—यतः, मुझे^०
के० के० वी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269व के
अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से
अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/3 है, जो आदर्शनगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी द्वाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा हो लिए;

(ख) ऐसी द्विसी द्वाय या द्विसी अन्त या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुरेश्वर मार राजी पिता वी० राजेश्वर राओ
घर नं० 8-2-350/5ए बनजारा हिल्स हैदराबाद
अधिकारी श्री जी० पी० ए० वी० राजेश्वर रामी
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनेयाना देवी पति डॉक्टर लाजपत राजी
घर 22-4-567 शादीलाल लेन-याकतपुरा, में
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इकत्र
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मर्जिला फ्लैट नं० 5-9-22/42/3 आदर्शनगर हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5270/78 संयुक्त उपरजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वी०
सक्षम आधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 177/79-80—यतः,
मुझे, के० के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।वीर जिसकी सं० खुली जमीन नं० 6-3-1094 है, जो
सोमाजीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (ओर इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर 1978
को पूर्णरूप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्णरूप सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यन्तर (शब्दरक्षों)
और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक अप से कवित नहीं किया गया है:—(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या(ख) पेसी! इसी वाय का किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय नां-कर प्रधिनियम, 1923
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
शमन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्यक्षित अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था इस या, छिपाने में
सुविधा के लिए;वह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरुक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाधा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—(1) श्री गोहम्मद मुहर्रम अली और अन्य 6-3-1094
सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द मेहरा घर नं० 5/6 अद्यानन्दनगर
नई मलापेट, हैदराबाद
2. श्री लिलकराज धावान 20-1-314 कोका-कीटाड़ी
हैदराबाद

(अन्तरिती)

• को यदृ जूना जारी करके पूर्वोंतम सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई भी शाखेप:—

(क) इस मूल्यांकन के राजपत्र में रकान की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णरूप
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;(ख) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताकरी के पास
प्रिव्हेट में निकाल सकेंगे।एप्पलीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्ति का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 642 वर्ग गज घर नं० 6-3-1094 सोमाजी-
गुड़ा हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5286/78 संयुक्त उप-
रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1979

भोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 178/79-80—यतः, मृमे, के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-513 है, जो कट्टलमनडी हैदराबाद में स्थित है (और इसके उपचार अनुसूची में और पूर्णलूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कायालिय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक दिसंबर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तावकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तव्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त:—

11-256GT/79

(1) श्री पी० मुदर्जन रेडी (2) श्री पी० मनमोहन रेडी
घर नं० 5-4-513 कट्टलमनडी हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) डी० डी० यंगनैता इस्तामिया एजुकेशनल बोर्ड
उक्ता अदिवति श्री नदरुदीन घर नं० 5-8-503
ग्रामांचान ईमेट में योगांगली लेन, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह नूतन जारी हुरके तूर्नौस नमूति के प्रत्यंत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त समूति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविनायों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविनायों में से किसी अविनियम द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविनियम द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

उपलिकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-4-513 पैमाई 1320 वर्ग गज पुराना कट्टलमनडी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5298/78 संयुक्त उपरजिस्ट्री कायालिय हैदराबाद में।

के० के० वीर
समक्ष अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 17 अगस्त 1979।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सदायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ग० सी० नं० 179/79-80—प्रतः,
पुस्ते के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन समझ प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-7-193, 194 और 195, है, जो इन गिया
बाजार हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुस्ते यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
मन्त्ररक्त (मन्त्ररक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन करदेने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रतिरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनु-
सरण में, से, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्यात् :—

(1) श्री टी० गम्ज़ला पिता ताटीपल्ली विष्वासाथम
चे अमपेट—तालुक, भेदक—जिला
(मन्त्ररक्त)

(2) श्रीमती अन्वाला इन्दिरा पति ए० श्री मत्यन गाया
4-7-193 इम मीया बाजार हैदराबाद
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
निए कार्यालयों फुरता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही
प्रश्न होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-7-193, 194, और 195, इसामिया बाजार
हैदराबाद में रजिस्ट्री एस्टावेज नं० 5352/78 संस्कृत उप-
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्त अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 17-8-79
मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०----

प्रायकर ग्राहितियम, 1961 (1961 का 43) को प्राप्त

269-व(1) के अधीन मूच्चना

भारत सरकार

गोप्यता, महाप्रभु ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

मं० आर० ए० गं० न० 180/79-80न्यत: मुझे
के० के० वीर,आयकर ग्राहितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उत्तरान् 'उक्त ग्राहितियम' कहा गया है), की प्राप्त 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से
अधिक हैऔर जिसको सं० मलगो नं० ए-२ आवृद्धि है, जो शर्पितग
सेन्टर हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपालू अनुसूची से
श्रीग पूर्णलाल से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद से भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राहितियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिसंबर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से ६५ के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अभरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश में उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक कानून किए रही हिसाब सही है:—(६) अस्तरण ने हूई किसी वाया जी वादा, उक्त
ग्राहितियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में
समीकरणे का उपसे वचा में मुविधा के लिए;
गोरया

अनुसूची

(७) ऐसी किसी वाया जी किसा ११ वा पन्द्रह प्राप्तियों को
जिस्ते भारतीय ग्रायकर ग्राहितियम, 1922 (1922
का 11) वा उक्त ग्राहितियम, या बन-कर
ग्राहितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती इत्या प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाता जाहिं या, लिखाने में मुविधा के लिए।वह: वच, उक्त ग्राहितियम, की वाया 269-व के पन्द्रह
मरब में मैं उक्त ग्राहितियम स्थो वाया 269-व की उपस्थारा (1)
के अधीन निम्नलिखित ग्राहितियों अस्तित्व:—(१) मैसर्स एमोसियेटिड ब्लडर्स और रियलस्टेट,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(२) मीस उमेरा (मैनर) पिता उनके पैडकार है
महम्मद बरदस्तान ५-९-१६० पब्लिक गार्डन
रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना गारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

प्रति ग्राहित के प्रति के मध्यम में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी अवधि वाले में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमो व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।जमीन का मवा-मलगी नं० ए-२ आवृद्धि शर्पितग सेन्टर
धीरागली लेन में हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० ५३५४/७८
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षण सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायनिय, प्रायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सं० नं० 181/79-80-पतः गुप्ते के० के० वीर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विष्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवाजार मूल्य 25,000/- इयरे से प्रधिक है और इसका सं० प्लाट नं० 5-9-22/42/2 है, जो आदर्श नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्टा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्राकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के त्रिपुरा या विकलन, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण त्रिक्षिका में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव जी बाबू उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर इने के प्रत्यक्षक के शायिक में कमी करने या उसके बचते में सुरक्षा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या तिसी बा या प्रत्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या भत्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रभाग्ति द्वारा प्रस्तु नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, द्विपाने में मुक्ति के लिए;

पतः यद, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अंतर्न निम्नलिखित गतियों, अर्थात्:—

(1) श्री वी० राजेश्वर राऊ 8-2-350/5 ए बनजारा हिल्म, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दमयनती प्रगदी धेतानीया 5-9-22/42/2 आदर्श नगर, हैदराबाद।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के वंचन में कोई वी पानी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अंतर्न उक्त सम्पत्ति व्यक्तियों पर न दिसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अवधि व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्मा-करी के याम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अं द्वारा, जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5-9-22/42/2 आदर्श नगर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5378/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सम्म प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर प्रायुक्त,
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० प्राय० ए० सं० नं० 182/79-80—प्रतः मुझे,
के० के० व०आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति त्रिवित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 2-5-9-22/42 है, जो आदर्शनगर,
हैदराबाद स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौद्योगिकी(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रतितः—(1) मैसर्स निरादा राऊ पर नं० 8-2-350/5ए
बनजारा हिल्म, हैदराबाद
(अन्तरक)(2) मैसर्स ऊशा राऊ मोमका पैरोकार ए० जी० के०
मूर्ती 2. शोभता ए० शान्ता देवी पत्नी मूर्ती है
5-9-22/42 आदर्शनगर, हैदराबाद
(अन्तरक)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के प्रक्रिया में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रहारण की तारीख से 45
दिन को अवधिया तत्पत्रन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन को प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
मरण हो गी हो, के पीछे रूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अवित द्वारा;(ख) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रहारण की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
हिस्से अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोद्दस्ताभरी के पात
त्रिवित में किए जा सकेंगे।इन्डोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया हुआ है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, पर नं० 5-9-22/42 आदर्शनगर,
हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5566/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद मेंके० के० व०
वक्तव्य प्रायिकरार्स
महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

तोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० आर० ए० सं० नं० 183/79-80—पतः मुझे, के० के० वी०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसने परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—
के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर समाज, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

ओर जिनकी सं० 6-2-11/1 है, जो लकड़ी का पुल हैदराबाद
में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुभूति में और पूर्णसूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक विनाश 1978

को पूर्वोक्त सम्भाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तारा गागा गागा गिराव, निर्माणिति उद्देश से उत्त अन्तरण
निवित में बाहरित हो जे नहीं हिया गया है—

(क) अन्तरण में हुई लकड़ी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमो करने या उससे बचने में युविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो हियो आय गानियो ता या अन्य आक्षियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

पतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1)
धीन निम्नस्थिति अस्तित्व के लिए:

(1) श्रीमती हबीबूश्तीसा बेगम पिता इकरमजेनग बहादुर।
2. श्रीमती नफीजदान खान 6-1-11/1 सेपावाद
हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मीराज पातोमा पती एम० मिजामुदीन खान
32/3 आर०-टो० सैफाबाद कानोनी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

सो यह मूरता तारो करने तूर्ती सम्भाति के प्रर्जन के
लिए कार्यालय द्वारा है।

उक्त सम्भाति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस तूर्ता के राजनव वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस तूर्ता के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्राप्त गम्भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित
हैं, उनीं अर्थ होगा, जो उप प्राप्ताय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-2-11/1 लकड़ी का पुल हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 3183/78- उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
गहाया आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 17 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ०० मी० नं० १८४/७९-८०—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 29 है, जो सीमाजीगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरानाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) प्रोर अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) वैं बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या मर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा -(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, कथात्:—

(1) श्री जिरोदार राज (रोड रिपोर्टर) घट नं० 6-3-1238-पौराजेगुड़ा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) डाक्टर जी० नरमिनम राज 1-2-593/6 दोमेडलगुड़ा, हैदराबाद

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समानि के अन्तर्गत किए बाही करता है।

उक्त समानि के अन्तर्गत में कोई भी पात्रोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्परत्वी अवक्षिप्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षिप्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उक्त भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 29-वीस्टनं०, 950 वर्ग यार्ड में नं० 32/1 में है, राजभवन रास्ता सीमाजीगुड़ा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3301/78 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय कैरानाबाद में।

के० के० वीर
गन्धम प्राधिकारी
महाप्रकाशन आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 185/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राचीकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एन० नं० जमीन है, जो आसोफनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रौद्योगिकी से वर्णित है), रजिस्ट्रेटर्स अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रोजेक्ट अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः :—

(1) श्री डी० वी० रामगृहगा वर 16-11-772, मुमाराम
वांग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० वी० एम० लीना पत्नी के० रामवा राज
3-4-460 नारायणगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रालय में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नवमवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो री हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उ स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें।

प्रोटोकॉल :— इनमें गुहा गढ़ों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-क में वरिभापित हैं,
वडों पर्व द्वारा जो उन प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 5-वीस्टीन, 505 वर्ग यार्ड, श्रीराम नगर
ताला राइडी औरीकुनगर हैदराबाद; रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 3324/78 उर रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राचीकारी
मश्वर आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979
मोहर :

प्रह्लाद प्रादृ टी० एन० एम०

(1) श्री धीतेन्द्र राज घर 6-3-1238 सीमाजीगुडा,
हैदराबाद ।प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री रामनिवाम कोटारी 6-3-927/ए- सीमाजीगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सौ० नं० 186/79-80—यतः मुझ के०
के० वीर,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को भारा
269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 17 है, जो सीमाजीगुडा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पूर्वोक्तसाक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वरूपीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट और खुली जमीन नं० 17-वीसरें 890 वर्ग याड़
सोमाजी गुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्री इस्ताबेज मं० 3350/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की भारा 269वा के अनुसर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरण:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 187/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके अधिकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग (1) के अधीन भक्षण प्राप्तिकारी को पहले विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिस की सं० प्लाट नं० 2, ब्लाक नं० 43 है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत प्रधिक है और अस्तरक
(प्रभरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, विन्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बच या अन्य आस्तियों
पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रफी अहमद पार्लकी प्लाट नं० बी-43/एफ 2
पी० एस० नगर, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री वी० रमेश बाबू प्लाट नं० बी-43/एफ 5
पी० एस० नगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप्रयः—

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की प्रबलिया या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबलिया वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रब्लेम में विद्या
मया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2-पहली सता पर, ब्लाक नं० 43-पी० एस०
नगर, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3387/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में (नं० 10-3-444/128)
(पहली सता पर)।

के० के० वीर
मध्यम प्राप्तिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० मी० 188/79-80—यतः मुझे के०
के० बीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० खुली जमीन है, जो सीमाजीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है
और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित निधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वापिस्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या प्रत्यक्षित को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती अमीना बेगम हैदराबाद-8-2-309/3 रास्ता नं०
14 बनजारा हिल्स हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) डॉक्टर सीतागपाला पानडुरनगा घर नं० 5-8-
57/7 स्टेशन रास्ता नामपली हैदराबाद
(अन्तरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रत्यक्षित के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्षित के पंचवंश में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी प्रत्यक्षित द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

संदर्भोक्तरम् :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के विभागित हैं, वही अर्थ दीया जा उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्टेन 878.50 वर्ग मीटर सीमाजीगुडा
हैदराबाद में (नं० 6-3-903/1 सीमाजीगुडा हैदराबाद) में
है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3422/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय
कैरताबाद।

के० के० बीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979
मोहर :

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की
जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवत्ति:-

प्रकल्प प्राईंटी० ईन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 189/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सामन प्राधिकारी को, यह विषयों करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 7-वेस्ट है, जो पारल्पली सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयों करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिशत निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन भार के अन्तरक के वायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रमुखण्ड में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्ता:—

(1) 1. श्री टी० डी० भास्कर राऊ 764/6 पहल मताका बलाक -III रजनीनगर, बैंगलूरू-1
2. श्रीमती टी० डी० रुकुमल
3. श्री बी० नटराजन
4. श्री बी० श्रीदरन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० कस्तूरी पती ए० पी० रामाकृष्णा घर नं० 5194 रेजीमेंटल बाजार सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हवालोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टेन 728 वर्ग याँड़ प्लाट नं० 7 वेस्ट मारें-पल्ली सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 3021/78 उप रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 3021/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979
मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० मी० 191/79-80—यन०, मुझे, के० के० वीर

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सभी प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 3-4-497 है, जो बरकतपुरा हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्नरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः इब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 वा के प्रश्नरण में, में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269वा की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्री नारायण राऊ पिता जी० लक्ष्मण सम्पत्ति अधिकारी है श्रीमती पी० कमलाबारी 14-2-332/एफ गायानबाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मती पी० एस० लक्ष्मी पती डॉक्टर पी० एस० कृष्णमूर्ति, 3-4-497 बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित भरो के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-4-497 बरकतपुरा हैदराबाद वीस्टीर्ण 550 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5494/78-उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सभ्य अधिकारी

सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रह्लप पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 191/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जमीन 7761 वर्ग यार्ड है, जो बहादुरपुरा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुबौली में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, इसौतः—

(1) श्रीमती सी० बीघेमा पती सी० रामवाराऊ और दूसरे लोग, धेन्द्राकल-राऊ नागरकरनूल महबूबनगर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बीनजुसारिया सुपर पुड फर्टीलैजर लिमिटेड 19-2-226 मीरआम टैक रास्ता हैदराबाद (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

इन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में गोई भी धाराएः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टेन -7761 वर्ग यार्ड बहादुरपुरा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1450/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय दुबौली में।

के० के० वीर
सं० अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहूरः

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती कमरजमानी वेगम पत्नी हाफ्टर मैयद
असदुल्ला हुमेनी हैदराबाद 6-3-246/3 बनजारा
हिल्स ।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18-अगस्त 1979

मं० आर० ए० सी० 192/79-80—यतः मुझे के० के०
वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सहम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० सरदे नं० 241 है, जो बाधारम गाऊ में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दुई किसी भाय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;(2) 1. श्री वी० रामाकृष्णा राऊ 1-267 तारनाका
सिकन्दराबाद

2. किश्वराज मदान काली गली सिकन्दराबाद

3. एन० श्रीनिवास मदान काली गली सिकन्दराबाद

4. एन० धेन्द्रासेकर महानकाली गली सिकन्दराबाद

5. श्रीमती ए० सरस्वती 12-10-136—सीतापल-
मन्डी

6. श्रीमती ए० शनतम्मा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहिया करता ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जरायती जमीम सरदे नं० 241-नाधारम गाऊ ग्राम पंचायत
हैदराबाद में है वीस्टेन 4. 27 एकड़ है । रजिस्ट्री वस्तावेज नं०
5652/78 है । रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० के० वीर

सहम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 193/78-80—यतः मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिस की सं० सरवे नं० 162 है, जो लालागुड़ा गाँव में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त—(1) 1. श्री अर्जीत आई० पटेल 2. नीतीन आई० पटेल
3. अमर आई० पटेल घर नं० 3-6-326 बशीर
वाग हैदराबाद । (अन्तरक)(2) 1. सर्व श्री अमरुष्वाल मेठ 2. प्रभुदाम सेठ 3. जयन्त
कुमार सेठ 5-9-22/1/4 आदर्शनगर
4. सर्व अनुलकुमार सेठ 5. बी० तुकाराम 6. पी०
रामा राऊ 7. पी० नारायन स्वामी 8. बी० कमलम्मा
6-1-279/10/1 सिकन्द्राबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जरायती जमीन 11096 वर्ग यार्ड उसके अतराफ में दीवार
है सरवे नं० 162 लालागुड़ा राऊ रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
7271/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में है ।

के० वीर

सकाम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अगस्त 1979

गिरिदेश सं० आर० ए० सी० न० 194/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० सरब्रे नं० 162 है, जो लालागुडा गड्ढ में स्थित है (और इससे उपावड्हा ग्रन्तिस्थी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिकल (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है)।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; गोय/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या अम्य/आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिद्धि अवक्षितियों, अपार्ट :—

13—256GI/79

(1) 1. अर्जोत आई० पटेल 2. नीतीन आई० पटेल 3. अमर आई० पटेल घर नं० 3-6-326 बधीरबाग हैदराबाद। (ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री अमृत लाल सेठ 2. प्रभुदास सेठ 3. जयन्थ कुमार सेठ 4. अतुल कुमार सेठ 5. बी० तुकाराम 6. पी० रामाराज 7. पी० नारायण स्वामी 8. बी० कमलम्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जाए करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोई भी धार्थेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त अवक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-व में परिभाषित हुए वज्री वचन होता, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन 6500 वर्ग यार्ड ग्रलाफ में द्वीपावार है सरब्रे नं० 162-लालागुडा हैदराबाद ईस्ट में है रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 7272/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में है

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकृष्ट ग्राई० टी० एन० एस०—
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 अगस्त 1979

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 195/79-80—यतः मध्ये के०के०
वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के प्रवीन नियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि शायकर प्रभावि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एप्पे से अधिक है।

और जिस की सं० जमीन नं० 177/9 177/12 है, जो
177/13, 177/18 अमीन नगर हैदराबाद वेस्ट में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वर्णित का भी लिया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या फिसी धन या अन्य ग्राहितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा-
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इन तर्फ़ी किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुभरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वै० वेंकटेश्वर राऊ 105/वी श्रीनगर कालोनी
हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री वै० नागेश्वर राऊ 4-2-1071/ रामकोर्ट
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन संख्या नं० 177/18, 177/9, 177/13,
177/12 अजीजनगर हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
2176/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 21 अगस्त 1979
मोहर :

प्रकाश पाई० टी० एन० एस०

आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली-1

4/14क, आसफाबाली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आरा० ए० सी०/एक्यू०/१ एस० आरा० III/12-1978/870/78-79—अतः मुझे, कु० अन्जनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- वा० से अधिक है

और जिस की सं० दुकान नं० 11 है तथा जो सिनेमा कोम्पलेक्स,
ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया वया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के बायिन में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यय में
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, उपराने
में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के
अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की
उप-आदा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बारात :—

(1) डी० एन० एफ० युनाइटेड लिं 21-22, नरीन्द्र
लेन्स, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार सपरा पुन्न श्री कांशी राम सपरा 11/11,
कालका जी एक्सटैन्शन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षि द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छित्रनक
किसी भन्य अविक्षि द्वारा, अधोत्स्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संबोधकरण :—इनमें प्रयुक्त अव्यां और पर्यां जा, जो उक्त
अधिनियम के अव्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्ये होंगा, जो उस अव्याय
में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 11 (ग्राउंड फ्लोर) सिनेमा कोम्पलेक्स विलिंग,
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली जिस का क्षत्रफल 244.12 वर्ग
फुट है।

कु० अन्जनी ओजा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली 1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सी० /एक्य० I /एस० आर० III/
12-1978/872/78-79—अतः मुझे, कु० अंजनी श्रोजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० फ्लैट 305 है तथा जो सिनेमा कोम्प्लैक्स, ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए वा, डिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 21-22, नरिंद्र प्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. से० करनल चरण सिंह पुत्र श्री बदलू राम 2. श्रीमती शकुन्तला निवासी 17 चर्च रोड, वेहली कैन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि यो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रायाय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

मनुसूची

आफिस फ्लैट नं० 305 (तीसरी मंजिल) सिनेमा कोम्प्लैक्स बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 791.4 वर्ग फुट है।

कु० अंजनी श्रोजा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 सितम्बर 1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 7th August 1979

No. A. 35017/1/79-Admn. II.—In continuation of this Office Notification No. A. 35017/1/73-Admn. II, dated 21st August, 1976, Shri V. Ramachandran, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Orissa, has been allowed to continue on deputation as Accounts Officer in the Office of Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 13-7-1979 or until further orders, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

The 31st August 1979

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier : —

S. No. Name Period

1. Smt Sudha Bhargava 3-9-1979 to 30-11-1979
2. Shri Chand Kiran 3-9-1979 to 30-11-1979.
3. Shri J. N. S. Tyagi 29-8-1979 to 28-11-1979

S. BALACHANDRAN

Under Secy,
for Secy,

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th September 1979

No. 98 RCT 13.—In supersession of this Commission's Notification of even number dated 22-8-1979, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 16th August, 1979 to 13th November, 1979 or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th September 1979

No. A-19036/2/79-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Harbans Singh, Inspector, Central Bureau of Investigation, CIU(E)I to officiate as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, with effect from the forenoon of 6th August, 1979 and until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTOR GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 5th September 1979

No. O.II.108/78-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. K. Vijaya Kumar, GDO, GD-II of R.T.C. 2 CRPF Avadi with effect from the afternoon of 27-3-1979 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the C.S.S. (Temporary Service Rules, 1965).

The 6th September 1979

No. O.II-562/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on superannuation pension, Shri Sydney Isaac relinquished charge of the post of Assistant Commandant Group Centre, CRPF, Pallipuram on the afternoon of 31-7-79.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 5th September 1979

No. 11/30/79-Ad.I-17827.—The President is pleased to appoint Shri H. K. Ravinder, an officer belonging to the Goa Administration, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Goa, Daman & Diu, at Panaji, by transfer on deputation basis, with effect from the forenoon of 10th August 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Ravinder will be at Panaji.

No. 10/20/79-Ad.I-17831.—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG (Ad.I) dated 28-3-1979, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Smt. Krishna Chowdhury as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 31 December 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in paragraph 2 of this office Notification No. 12/5/74-RG (Ad.I) dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chowdhury will be at Calcutta.

The 6th September 1979

No. 11/88/79-Ad.I-17996.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Shrivastav, an officer belonging to the Union Territory Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations for the Union Territory of Chandigarh with effect from the forenoon of 21st August 1979, until further orders.

2. The temporary headquarter of Shri Shrivastav will be at New Delhi, upto 30 September, 1979 and with effect from 1st October, 1979 his headquarter will be at Chandigarh.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 4th September 1979

No. 787/M.—On his superannuation retirement from Government service, Shri V. V. Bapat relinquished charge of the office of the Asstt. Controller of Stamps, Central Stamp Stores, Nasik Road, with effect from the afternoon of 31st August, 1979.

D. C. MUKHERJEA,
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 25th August 1979

No. PF.7(36)/6371.—Further to this office notification No. 7(36)/1715 dated 26-5-79 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis for the period upto 30-9-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 29th August 1979

No. Admn.I/0.289/5-12/79-80/115.—The Director of Audit hereby, appoints substantively, the following officiating Audit Officers of this office, against the permanent posts of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, retrospectively with effect from the dates shown against them :—

Name	Date of substantive appointment as Audit Officers
1. Shri O.P. Gupta I	1-11-76
2. Shri G. B. Lal	1-11-76
3. Shri R. P. Saxena	1-11-76
4. Shri Manmohan Singh	1-12-76
5. Shri Ram Rakha Mal	14-12-76
6. Shri H. K. L. Choudhury	17-1-77
7. Shri K. C. Jain	1-3-77
8. Shri B. P. Jain	1-7-77
9. Shri M. L. Budhwar	1-12-77
10. Shri R. P. Khurana	1-3-78
11. Shri M. L. Verma	1-5-78
12. Shri B. L. Rustogi	1-5-78
13. Shri D. T. Butani	1-9-78
14. Shri R. S. Rastogi	1-11-78
15. Shri V. P. Batra	1-11-78
16. Shri H. L. Nangia	1-12-78
17. Shri R. P. Ghosh	1-1-79
18. Shri S. S. Chadha	1-1-79
19. Shri O. P. Mehdiratta	1-2-79
20. Shri M. L. Goel	1-3-79
21. Shri D. D. Guglani	1-4-79
22. Shri Jit Singh	1-7-79

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Dir. (Admn).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 22nd August 1979

No. Admn. I/72-Discip/DKA/79-80/2586.—The Deputy Accountant General (Admn.) Office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, in exercise of powers vested in him by Rule 19(ii) read with Rule 12 of C.C.S. (CCA) Rule, 1965, imposed the penalty of dismissal w.e.f. 18-9-71 on Shri Devinder Kumar Anand, quasi-permanent Auditor, under Rule 11 (ix) of Rules ibid. Vide office order No. Admn. I/25 dated 29-7-79 issued vide No. Admn. I/72-Discip/DKA/79-80/2181 dated 28-7-79. This shall ordinarily be a disqualification for further employment of the said Shri Devinder Kumar Anand under the Government.

Sd. ILLEGIBLE
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 30th August 1979

No. Admn-I/FS/26/246.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accept the resignation tendered by Shri Satya Deo Sharma, a permanent Section Officer and officiating Accounts Officer, from Government Service with effect from 25-4-1979 (FN) on his permanent absorption in the Bharat Heavy Electricals Limited.

Sd. D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 30th August 1979

No. 40/79/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against them :—

1. Shri Rajendra Kumar KARIA	12th July, 1978
2. Shri Surjit Kumar NAFRI	12th July, 1978
3. Shri Yogesh CHANDRA	29th Dec., 1978
4. Shri Sanjay Bhagwant MOHARIL	1st Jan., 1979
5. Shri Sumitabha DAS	2nd Jan., 1979
6. Shri S. ELANGO	3rd Jan., 1979
7. Shri Rajiv GUPTA	5th Jan., 1979
8. Shri Y. Venkataswara RAO	5th Jan., 1979
9. Shri Lalzarlana RENTHLEI	13th Jan., 1979
10. Shri S. PRADHAN	15th Jan., 1979
11. Shri K. K. SINHA	26th March, 1979
12. Shri Navneet Kumar VARSHNEY	28th March, 1979
13. Shri Pruthwiraj MISHRA	4th April, 1979
14. Shri V. K. PANDA	13th April, 1979
15. Shri Sudhir Kumar PANDE	25th April, 1979
16. Shri Debasish DATTA	27th May, 1979
17. Shri G. GNANIAH	14th May, 1979
18. Shri Khandare SOMA	8th June, 1979

The 4th September 1979

No. 43/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. N. Sanyal, Offg. Officer Supervisor Subst. & Permt. A.S.O.) retired from service with effect from 31st July, 1979 (A/N).

The 7th Sept. 1979

No. 44/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Dalal Offg. Manager Subst. & Permt. Dy. Manager retired from service w.e.f. 30-4-79 (A.N.).

V. K. MEHTA,
Asstt. Dir. General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(Establishment)

New Delhi, the 3rd September 1979

No. 6/1312/79-Admn(G)/6704.—The President is pleased to appoint Shri A. Ghosh, IAS (BH-1971) Joint Secretary in the Department of Irrigation, Bihar—Patna to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports with effect from the forenoon of the 17th August, 1979, until further orders.

C. VENKATARAMAN,
Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st September 1979

No. A-1/1(1142).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. C. Roy Chowdhury, Superintendent in the office of D. I., Calcutta, to officiate

as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta, with effect from the forenoon of 7-8-79 vice Shri T. K. Chakraborty retired.

2. Shri Roy Chowdhury will be on probation for a period of 2 years from 7-8-79.

The 6th September 1979

No. A-1/1(1103).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri G. Nandiga as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) on regular basis in the office of the Director of Inspection (Met.) Burnpur, with effect from the forenoon of 7-8-79.

2. Shri Nandiga will be on probation for a period of 2 years from 7-8-79.

K. KISHORE,
Dy. Dir. (Admn.)
for Dir. Genl. of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF STEEL

Calcutta-20, the 4th September 1979

No. EI-12(16)79(.).—Shri Dilip Kumar Dasgupta, Superintendent is hereby appointed on an *ad-hoc* basis to officiate in the post of Asstt. Iron & Steel Controller with effect from 4-9-79 (F.N.).

P. K. SARKAR
Iron & Steel Controller

Calcutta-20, the 7th July 1979

No. Admn. P.F. 492(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Banerji, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 30th June, 1979.

The 4th August 1979

No. Admn.P.F.(53)/53(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. R. Barua Chowdhury, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1979.

The 10th September 1979

No. EI-12(7)/77(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. R. Banerjea, Assistant Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st August, 1979.

S. K. BASU
Dy. Iron & Steel Controller
for Iron & Steel Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 7th September 1979

No. F.11-9/79-A.1.—The Director of Archives, Govt. of India hereby appoints Shri Manzoor Ali, Permanent Accountant and a regular temporary Assistant Archivist (Gr. I) (O.R.) to officiate as Archivist (O.R.) on purely *ad-hoc* basis with effect from the date he assumes charge of the office of Archivist (O.R.) in the National Archives of India, Bhopal until further orders.

This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion for the next higher grade.

Sd./- ILLEGIBLE
Administrative Officer,
National Archives of India,
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th September 1979

No. A.19019/1/79CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Man Singh, to the post of Homoeopathic Physician, in the Central Govt. Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 31st July, 1979.

N. N. GHOSH
Dy. Director Admn.(CGHS)

New Delhi, the 10th September 1979

No. A.38014/8/78-Admn.II(I).—On attaining the age of superannuation Shri Satya Prakash, an officiating Section Officer in the Directorate General of Health Services, New Delhi retired from Govt. service on the 31st July, 1979.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

(STORES 1 SECTION)

New Delhi, the 7th September 1979

No. A.12026/8/78-SI(I).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. L. Sachdeva in the post of Accounts Officer, Govt., Medical Store Depot, Karnal on deputation terms with effect from the forenoon of 8-8-1979 and until further orders.

No. A.12026/8/78-SI(II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. K. Chatterjee in the post of Accounts Officer, Govt., Medical Store Depot, Calcutta, on deputation terms with effect from the forenoon of 1-8-79 and until further orders.

P. K. GHAI
Officer on Special Duty (Stores)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 6th September 1979

No. DPS/23/1/79/Est/23291.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Moothedath Venugopalan temporary Stenographer (SG.) of this Directorate to officiate as Asstt. Personnel Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from June 22, 1979 (FN) to July 27, 1979 (AN) vice Shri C. V. Gopalakrishnan, Asstt. Personnel Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Madras-600 006, the 9th August 1979

No. MRPU/200(150)/79-Adm.—The Director, Purchase & Stores, Directorate of Purchase & Stores is pleased to appoint Shri P. V. Prabhakaran, Store-Keeper Reactor Research Centre Stores, Kalpakkam as Assistant Stores Officer in the same unit in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 2, 1979 to the afternoon of May 4, 1979.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 21st August 1979

No. MAPP/3(1321)/79-Adm.—On deputation from the Post and Telegraphs Audit Office Shri T. K. Krishnamachari, a permanent Section Officer (Audit) in the Office of the

Post and Telegraphs Audit Office is appointed as Assistant Accounts Officer in officiating capacity in this Project with effect from the afternoon of July 26, 1979 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 6th September 1979

No. AMD-1/1/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Girish Bhalla as Scientific Officer/ Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18th August 1979 until further orders.

No. AMD-1/1/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Himadri Ghose as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th September, 1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 10th September 1979

No. 05045/79/5409.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, hereby appoints Shri Suresh Chintaman Thakur, Assistant Personnel Officer, Heavy Water Project (Baroda), in a substantive capacity, in the same post, with effect from January 1, 1979.

No. 05045/79/5410.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, hereby appoints Shri Kalamkanny Thomas Jose, Assistant Personnel Officer, Heavy Water Project (Kota), in a substantive capacity, in the same post, with effect from January 1, 1979.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

The 7th September 1979

No. A. 32014/3/79-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in Aeronautical Communication Organisation to the grade of Asstt. Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri V. R. Anantharaman	ACS, Madras	ACS, Madras	20-7-79 (FN)
2.	Shri S. K. Rao	ACS, Madras	ACS, Madras	28-7-79 (FN)
3.	Shri Kulwant Singh	ACS, Jamshedpur	ACS, Bhubaneswar	30-7-79 (FN)

S. N. MOTWANI
Officer on Special Duty

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 4th September 1979

No. 11/79.—Shri B. B. Kansara, Superintendent of Central Excise, Group-B (at present under suspension) at Ahmedabad-II has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-79.

J. M. VERMA
Collector of Central Excise,
Baroda

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401504), the 9th August 1979

ORDER

No. TAPS/2/474/67.—Whereas Smt. Sarojini Sasidharan, Nurse, TAPS Hospital having been examined by the Medical Board on December 28, 1977, May 17, 1978, November 13, 1978 and on July 11, 1979 was found to be completely and permanently incapacitated for further service as a Nurse in the TAPS Hospital in consequence of her mental condition viz. Paranoid Schizophrenia;

AND WHEREAS her incapacity does not appear to that Medical Board to have been caused by irregular or intemperate habits;

NOW THEREFORE the undersigned hereby orders that the services of Smt. Sarojini Sasidharan shall stand terminated on the expiry of the period of one month from the date of communication of this order unless Smt. Sarojini Sasidharan desires to have her services terminated with effect from an earlier date. Further Smt. Sarojini Sasidharan may submit, if she so desires, within the period of one month, a request to be examined by a Medical Review Board supported by prima facie evidence that good ground exists for doing so and if she so prefers a request for examination by a Medical Review Board, she shall be liable to pay the fees prescribed under the rules. A copy of the report dated 11-7-1979 of the Medical Board is also enclosed.

K. P. RAO
Chief Superintendent

Smt. Sarojini Sasidharan,
Type II-J-1
TAPS Colony.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th September 1979

No. A. 38012/1/79-EC—The undermentioned two Asstt. Tech. Officers relinquished charge of office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name & Desig.	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri M. S. Adaikalam, Asstt. Tech. Officer	Aero Comm. Stn. Madras	31-7-79 (AN)
2	Shri C. T. Rajan, Asstt. Tech. Officer	Aero Comm. Stn. Madras	31-7-79 (AN)

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 5th September 1979

No. A-19012/726/78-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Baldev Raj, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on purely temporary and ad-hoc basis in the scale

of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from 31st May 1978 (AN) until further orders.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
in the matter of M/s Shiro Pvt. Ltd.

New Delhi, the 30th August 1979

No. Co. Lign. 3228.—By an order dated the 3-1-78 of Hon'ble High Court of Delhi M/S Shiro Private Limited has been ordered to be wound up.

Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
in the matter of M/s Surrindra Stein Malt Ltd.

New Delhi, the 30th August 1979

No. Co. Lign 5442.—By an order dated the 13-12-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/S Surrindra Stein Malt Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 31st August 1979

No. CIT-IV/Jur./79-80/2983.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 1-9-1979.

Distt. III-E(1), New Delhi.

No. JUR-DLI/IV/79-80/2984—In exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling in this behalf the Commissioner of Incometax Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said act in respect of such areas or of such persons or classes of person or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/circles mentioned in col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles.
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-E New Delhi.	Distt. III-E(1) New Delhi

This notification shall take effect from 1-9-1979.

RANBIR CHANDRA
Commissioner of Income-tax
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 1st September 1979

No. JUR/DLI/V/79-80/19470—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income tax Distt./Circle
1	2
1. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range -V-A, New Delhi.	All Wards/Circles in Distt. II, New Delhi.

This notification shall take effect from 1-9-1979.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Dec-II(34)/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. E—485, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sh. Om Prakash Gupta,
2. Sh. Kailash Chand
3. Sh. Chander Prakash,
4. Smt. Usha Devi,
5. Kum. Veena Rani,
6. Shashi Kanta,
7. Chinta Mani,
r/o K-48, Sarojni Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. B. L. Kapur,
2. Smt. Sarla Devi Kapur,
r/o E—317, Greater Kailash-II, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. E—485, G. K. II, New Delhi measuring 207 sq. metres more specifically described in the instrument of transfer registered on 22-12-78 bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : No. E—483
South : No. E—487

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 12-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Prabh Dayal Khanna S/o Shri Vasuram Khanna Resident of House No. 1178, Kucha Kauldakhan near Kala Mahal, Daryaganj, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Madhu Aggarwal W/o S. Aggarwal, R/o H-16, Greenpark Extn. New Delhi & Shri Arun Kumar Mittal S/o Sh. Revati Parasad Mittal Mantola Mohalla, Paharganj, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/895.—Whereas, I,
MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-467 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. E-467 measuring 227.6 Sq. yds. situated in the residential colony, Known as Greater Kailash-II, N. Delhi.

East : Plot No. E-465
West : Plot No. E-469
North : Service Lane
South : Road.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 12-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) DLF United Ltd.,
21-22, Narindra Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - I

NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/Dec-1(10)/78-79/839.—Whereas, I,
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mezzanine Store, Cinema Complex building situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on December 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Smt. Nirupam Kaur Anand,
2. M/s Sohan Singh & Son,
karta Sohan Singh Anand,
N/3, South Ext., part-I, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mezzanine store, Cinema Complex Building situated in G.K-II, N.Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered in the month of Dec. 1978.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 12-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR. III/12-78/911.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land situated at Village Satberi, Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sunita Devi Khandelwal w/o Sh. R. N. Khandelwal,
2. Shri Mohendra Nath Khandelwal s/o Sh. Shreenath Khandelwal both resident of Prem Niwas Apartment Road, Bombay-26.
(Transferor)

(2) Smt. Kumari Sachdeva w/o Sh. Sham Lal Sachdeva F-273 Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 21 Bighas 17 Biswas situated at Village Satberi Tehsil Mehrauli, New Delhi. The property more fully described in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Supriti Mustafi,
1A, Ritchie Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) Shrimati Bhakti Sinha,
1, Panchanan Gosh Lane, Cal-9.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Amritsar, the 25th July 1979

Ref. No. 465/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1A situated at Ritchie Road, Cal. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 16-12-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 3 cottahs 0 chittacks 12 sq. ft. being situated at 1A, Ritchie Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 11-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Supriti Mustafi,
1A, Ritchie Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sebabrata Sircar,
57/12, Ballygunge Circular Road,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1979

Ref. No. 466/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1A situated at Ritchie Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-12-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 3 cottahs 12 chittacks 41 sq. ft. being situated at 1A, Ritchie Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1979

Ref. No. 472/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 400, Khatian 115 situated at Mouza - Bansdroni, P. S. Jadavpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badal Sengupta
184, Prince Anwar Shah Road,
Calcutta-700068.

(Transferor)

(2) Shri Biplab Kr. Chakraborty & Others
4A, Tinkari Ghosh Lane,
Calcutta-700026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 10 cottahs of land with two storied building thereon situated at Mouza - Bansdroni, Dag No. 400, Khatin No. 115, P. S. Jadavpur, 24 - Parganas.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 17-5-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subash Chandra Ghose.
Shri Sushil Kumar Ghose.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Dhanuka,
Shri Devaki Nandan Dhanuka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - IV
CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1979

Ref. No. AC-26/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-223 situated at C.I.T. Road, Calcutta-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 4-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Subash Chandra Ghose.
Shri Sushil Kumar Ghose.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Dhanuka,
Shri Devaki Nandan Dhanuka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 5 chittaks and 26 sft. together with building situated at P-223, C.I.T. Road, Calcutta-54, more particularly as per deed No. 5565 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 29-5-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Janaki Devi
60/2/6, Lake Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) M/s. Bridge View Co-operative Housing Society
Ltd.,
12/1, Ramkrishna Ghosh Road,
Calcutta-50.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Calcutta, the 19th May 1979

Ref. No. 473/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding P—39 situated at C.I.T. Scheme No. LXII, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 4-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 4 cottahs 8 chittacks 25 sq. ft. situated at plot No. 38 of C.I.T. Scheme LXII, Mouza : Dhakuria, P. S. Jadavpur.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19th May 1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bikramjit Roy Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Ref. No. AC-30/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 156/2-B, situated at B.T. Road P. S. Baranagar, Calcutta-35. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 95.22 sq. mt. together with building situated at 156/2-B, B.T. Road, Calcutta-35, more particularly as per deed no. 5582 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bikramjit Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sardar Bachan Singh Grewal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE - IV
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 15th June 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-29/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I,

S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

156/2-B situated at B.T. Road, P. S. Baranagar, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Calcutta on 5-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 95.22 sq. metre together with building thereon situated at 156/2-B, B.T. Road, Calcutta-35, more particularly as per deed No. 5583 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 15-6-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Biswanath Bhar
95, Southern Avenue,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE - III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 8th August 1979

Ref. No. 487/Acq. R-III/79/79-80/Cal—Whereas, I,

VASKAR SEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.95 situated at Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 5-12-1978,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8 B on 8th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.
(Transferor)

(2) Sri Suhas Sen Gupta,
95, Southern Avenue,
Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1979

Ref. No. 488/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

95 situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that entire flat No. 5 A on 5th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1979

Ref. No. 489/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95 situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Nirmalendu Sen Gupta,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 7 E on 7th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 8-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. C. Guha
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta-16, the 8th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 490/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 4B on 4th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95,
Southern Avenue, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bithika Kundu,
20/5, Raja Manindra Road, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 491/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 5-12-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely:—

16—256GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 7B on 7th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 492/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Sudhir Kr. Paul,

P. No. 684, 'O' Block,

Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 4A on 4th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sandhya Chakraborty
20/6, Raja Manindra Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 8th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 493/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 5-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 3C on 31st floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95,
Southern Avenue, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. K. Basu & Sri S. N. Basu,
2/1, Shyama Charan De Street, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

**ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 494/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 5C on 5th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 476/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

All that undivided share in the building containing an area 5 cottahs 9 chittacks 20 sq. ft. situated at 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5706 of 1978.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 477/Acq R-III/79-80/Cal.—Whereas, 1,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 12-12-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided share in the building containing an area
5 cottaks 9 Chittacks 20 sq. ft. situated at 1, Jhamapukur
Lane, Calcutta as per deed No. I 5705 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lakshmi Devi Shaw, 72/1, Girish Park North, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 478/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided share in the land of an area 3 cottahs 11 chittacks 18 sq. ft. situated at 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5704 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16. the 12th July 1979

Ref. No. 479/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Kamala Devi 72/1, Girish Park, North, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share in the building containing an area of 6 cottahs 4 chittacks situated at 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5703 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parbati Devi
72/1, Girish Park North, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 480/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided half share in the building containing an area of 6 cottahs 4 chittacks situated at 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5702 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—256GI/79

FORM ITNS

(1) Shri Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1979

(2) Shri Rajkumar Kesharwani, Bijoy Kr. Kesharwani, Ashoke Kr. Kesharwani & Pradip Kr. Kesharwani all of 72/1, Girish Park North, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 481/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided half share in the demarcated piece and parcel of land of area 3 cottahs 11 chittacks 18 sq. ft. being the south-western portion of 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5707 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12-7-1979.

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th July 1979

Ref. No. 482/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 51 N situated at Garcha Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Salma Begum, Meherunnesa, Md. Ashraf Ali, Sk. Nurul Huda, Sk. Badrudyoya, Saw Katara Begum, Kawsat Alam, Asgari Begum, Nanni Begum & Munni Begum—All of 50 B, Dilkhusha Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Sen, 51 N, Garcha Road, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 3 cottahs 8 chittacks and structures thereon at premises No. 51 N, Garcha Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 18-7-1979.

Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri P. K. Sarkar & Co. (P) Ltd.,
P-165, Block-G, New Alipore, Calcutta-53
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Delight Co-operative Housing Society Ltd., 198/1,
Block-G, New Alipore, Calcutta-53.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta-16, the 25th July 1979

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/1979-80.—Whereas, I,
S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. 23A/440 situated at Diamond Harbour Road, New
Alipore, Calcutta-53

(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Distt Registrar, 24-Parganas, Alipore on 12-12-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4.75 cottahs being premises No. 23A/
440, Diamond Harbour Rd., P. S. New Alipore, in Block-K,
Calcutta.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Bula Jute Mfg. Co. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
(Transferor)

(2) M/s. Katson's Electrical (P) Ltd., 23/A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 25th July 1979

Ref. No. AC-15/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mouza—Chakmir, P.S. Maheshiota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 9-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

land measuring 3.99 decimals under Mouza—Chakmir, P. S. Maheshiota, Dt. 24-Parganas, being Khatian No. 142 and 11 others, Dag No. 142 and 13 others.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 25.7.1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Birla Jute Mfg. Co. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1979

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I. S. C. YADAV being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza—Chakmir P. S. Maheshtola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 9-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Land measuring 4.97 decimals under Mouza—Chakmir, P.S. Maheshtola, Dt. 24-Paraganas, being Khatian No. 232 and 10 others, Dag No. 261 and 20 others.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 25-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Birla Jute Mfg. Co. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
(Transferor)

(2) M/s. Venus Construction (P) Ltd., 4, Chandney Chawk Street, a/Calcutta-72.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1979

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza—Chakmir, P. S. Maheshtola (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 9-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.90 decimals under Mouza—Chakmir, P.S. Maheshtola, Dt. 24-Parganas, being Khatian No. 321 and 7 others, Dag No. 167 and 10 others.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 25-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

2) Smt. Anupama Rakshit.

(Transferee)

Notice under Section 269D(1) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. No. AC-46/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/1, situated at Prince Buktia Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Orient Beverages Ltd. (Transferor)

2) Smt. Anupama Rakshit. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 6 chittaks situated at 21/1, Prince Buktia Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta, more particularly as per deed No. 6918 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 30-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AC-47/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/1, situated at Prince Buktir Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 7 chittaks situated at 21/1, Prince Buktir Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 7130 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 30-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—256GI/79

FORM ITNS

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamala Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. No. AC-44/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 26,000/- and bearing

No. 21/1 situated at Prince Buktia Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 13 chittaks 37 sft situated at Mousa Kankulia, J. L. No. 40, P. S. Tollygunge, District: 24-Parganas being premises No. 21/1, Prince Buktia Shah Road, more particularly as per deed No. 6916 of 1978.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016,
Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kusum Jaju, Shri Rajendra Burman

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Devi Agarwala, Shri Ashok Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. No. AC-51/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Sarat Banerjee Road, P. S. Tollygunge, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 9 chittaks 34 sft with building thereon situated at 55, Dr. Sarat Banerjee Road, P. S. Tollygunge, Calcutta, more particularly as per deed No. 5740 of 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 31-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. No. AC-50/Acq.R-JV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Dr. Sarat Banerjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kusum Jaju, Shri Rajendra Burman; Punil Burman, Shri Luv Burman, Shri Kush Burman and Smt. Sabita Burman.

(Transferor)

(2) Shri Phasharam Pareek, Shri Tolaram Pareek & Shri Khemraj Pareek.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 9 chittaks 20 sft with building thereon situated at 55, Dr. Sarat Banerjee Road, P. S. Tollygunge, Calcutta under C.I.T. Scheme No. XLVII, more particularly as per deed No. 5739 of 1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority

IAC Acquisition Range-IV, Calcutta
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Tejendra Kumar Sarkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. No. AC-48/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/1, situated at Prince Buktiar Shah Road, Calcutta-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 cottah 14 chittaks situated at 21/1, Prince Buktiar Shah, Road, P. S. Tollygunge, Calcutta-33, more particularly as per deed No. 6919 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range IV, Calcutta

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sudhir Chandra Mitter, 19, Camac Street, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th August 1979

Ref. No. 486/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Debendralal Khan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 1-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) M/s. Khaitan Savings (P) Ltd., 46C, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.
(Transferee)

(4) 1. M/s. Khaitan Fridge Pvt. Ltd.
2. M/s. Auto Services.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied building structures containing an area of 28 cottahs 4 chittacks 20 sq. ft. of land situated at premises No. 22, Debendralal Khan Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai
Road, Calcutta-16.

Date : 4-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Kumar Mitter
70, Ballygunj Gardens, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Coalite Chemicals Private Limited, 2, Gar-
stin Place, Calcutta.

(Transferee)

(3) Vendor

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 8, Girish Chandra Ghose, Road, Mouza
Kalidaha, P.S. Dum Dum, Dist. 24-Parganas.S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Date : 6-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Prokash Chandra Saha Block No. 6, Barrackpore, 24-Parganas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Debi Jaiswal, 8/1, Kirtibash Mukherjee Road, Calcutta-67.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-24/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13A & 13H situated at Ariff Road, Mouza Ultadanga, P.S. Manikota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 18-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 5-cottahs, 15-chittaks & 38-sq. ft. at 13A & 13B, Ariff Road, Mouza Ultadanga, P.S. Manikota.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nibaran Chandra Saha Block No. 6, Barrackpore, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sabitri Debi Jaiswal (Shaw) No. 1, Marquis Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-23/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13A/23 situated at Ariff Road, Mouza Ultadanga, P.S. Maniktola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 18-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs, 0-chittack & 1-sq. foot at 13A/23, Ariff Road, Mouza Ultadanga, P. S. Maniktola.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Armed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 9-8-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19-256GI/79

FORM ITNS

(1) Smt. Mahamaya Devi Alias Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Rani Hazra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-52/Acq. R-JV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 163/1, situated at N.S. Road, Bankra, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece and parcel of land measuring 9 cottahs 3 chittaks 35 sft. situated at 163/1, N. S. Road, Bankra, District Howrah, more particularly as per deed No. 1847 of 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC No. 137/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-920, 920/A, 9201E Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Aban H. Rustomjee,
3-C, Queens Court, 16-Montieth Road,
Egmore, Madras.
2. Cusrow-N. Bharucha,
R/o Bombay.
3. Farokh N. Bharucha, 12-B, Green Park,
Salisbury Park, Pune-411002.

(Transferor)

- (2) Sri D. Seetharamaiah,
Sri D. Venkata Rao,
H. No. 4-1-920 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building and outhouse on area of 883 Sq. Yds. bearing M. No. 4-1-920, 4-1-920/A, and 4-1-920/E, in Dinabad Estate, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5257/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd July 1979

Ref. No. RAC. No. 138/79-80.—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-2-700/A,

situated at Road No. 12 at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Abdullah Bin Mohammad, s/o Omar Nawar Jung,
2. Awad Bin Mohammed,
3. Smt. Sultan-Un-Nissa, Begum,
4. Smt. Shamsheer-un-nissa, Begum,
5. Smt. Sardar-un-nissa Begum,
6. Vikar-un-nissa Begum,
7. Mohasin Bin Mohd.,
8. Omer Bin Mohammed,
all residing at H. No. 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. Savita Krishna, w/o Sri P. V. Krishna Reddy, H. No. 3-6-166/1 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 2, M. No. 8-2-700/A, situated at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad, consisting of 1045 Sq. Mts. registered vide Document No. 3381/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri B. Sudhir Kumar,
2. Sri B. Dilip Kumar,
both residing at H. No. 4-1-1062, 1063
at Boggulkunta, Hyderabad.

(Transferors)

(2) 1. Sri Dr. Nandan Singh,
2. Dr. Vijaya Nandan Singh,
both residing at H. No. 4-1-897 at Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 139/79-80. —Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-1062, 1063

situated at Boggulkunta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House M. No. 4-1-1062 and 4-1-1063, situated at Boggulkunta, Hyderabad, total area 315 Sq. Yds. registered vide Document No. 5357/78 in the office of the Joint Sub- Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date. 28.7.1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd August 1979

Ref. No. RAC. No. 140/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-22/42/3, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Mrs. Indira Devi, w/o Sri V. Rajeshwar Rao, H. No. 8-2-350/5-A Banjara Hills, Hyderabad, her G.P.A. Sri V. Rajeshwar Rao.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Li Liang Ching Ying,
2. Mr. Li Chi Hon,
3. Mr. Li Chi Hao,
4. Mr. Li Chi Chin,
all residing at H. No. 5-9-22/42/3 Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-9-22/43 ground floor, admeasuring 813.73 Sq. feet situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5379/78 registered in the office of the Joint-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Krishna Construction Co.,
5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sreenivas & Prasad,
H. No. 4-1-938/R-14, & 15
at 2nd floor at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 141/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 4-1-938/R-14 & 15, situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Hall M. No. 4-1-938/R-14 and 15 on 2nd floor, situated at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5264/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 142/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-22/42/7,

situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri VidyaSagar Rao,
G.P.A. Sri V. Rajeshwar Rao,
H. No. 8-2-350/5-A at Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Deesain, Pvt. Ltd.,
H. No. 5-9-22/42/7 Adarshnagar,
Hyderabad
(Head office at New Delhi).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing M. No. 5-9-22/42/7 on 2nd floor and ground floor grage, situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5376/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Maheshkumar Rao, s/o V. Rajeswar Rao,
H. No. 8-2-350/5-A at Banjara Hills,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) Mrs. Bhanumathi Vasanji Kotecha,
w/o V. H. Kotecha,
H. No. 5-9-22/42/8 at Adarshnagar,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 143/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5-9-22/42/8, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—256GI79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-9-22/42/8 on Second floor, situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5377/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Rao, s/o V. Rajeswar Rao,
H. No. 8-2-350/5/A Banjara Hills,
Hyderabad
his G.P.A. Sri V. Rajeshwar Rao,

(Transferor)

(2) Sri Anand Mohanlal s/o Sri Sree Mohanlal,
H. No. 23-1-74 at Charminar East,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 144/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

5-9-22/42/1, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

House M. No. 5-9-22/42/1, situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5605/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co.,
at 111-Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Venkateswarsimha Raju, 1-1-300/1/A/1 at
Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 145/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 218 & 219,
situated at Chandralok Complex, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration aforesaid by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office room No. 218 and 219 in 2nd floor of Chandralok Complex, situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 5598/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad,

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. Buchi Rajeshwari, 1-10-1/15 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 146/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 220 & 221, situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office room Nos. 220 and 221 on 2nd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 5599/78 in the Joint Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Sri 1. I. Ranga Rao,
2. I. Venkateswara Rao,
3. I. Satyanarayana Rao,
all residing at H No. 2-2-1105/9/3 at New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 147/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 7-1-56, situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) The Arora Pharmaceutical Company, H. No. 7-1-55/1, at Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M No. 7-1-56, situated at Ameerpet, Hyderabad, plinth area 2093 Sq. Mts. registered vide Document No. 3233/78 in the office of the Registrar, Khairbad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(1) 1. Smt. M. Gangamma, w/o Sri M. Narsimha,
2. M. Balraj,
3. M. Prakash Rao,
4. M. Govind Murali,
5. M. Venkateshwar Rao,
6. M. Harikrishna,
7. M. Hanumantha Rao,
8. M. Shivashankar,
all residing at H. No. 1-8-215/26 at
Lal Bahadur Nagar,
(Prenderghast Road, Secunderabad).

(Transferor)

(2) Sri Annarapu Veeriah,
Cloth Merchant,
at Tabacco Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 148/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-8-215/27, situated at P. Ghast, Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1st floor portion house No. 1-8-215/27 situated at Lal Bahadur Nagar, (Prengast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2998/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. P. Saraswathi,
H. No. 1-8-215/14 at Lalabahadur Bagh,
Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1979

Ref. No. RAC. No. 149/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 2039, Sector 21-C, Chandigarh situated Shop No. 7, situated at Lalitnagar Colony, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. S/Sri Ragi Radhamma,
2. Ragi Lakshminarsamma,
3. R. Madhuvachari,
H. No. 8-1-112 at Shivajinagar,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shops in Plot No. 7, situated at Lalithnagar Colony, Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3110/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri M. Narayana Murthy,
H. No. 8-2-623/A Banjara Hills, Hyderabad,
Road No. 10.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Anees Shahid Lateef, w/o
Syed Shahid Lateef,
H. No. 5-9-7/1 at Roshan Manzil,
Saifabd, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 150/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-623 at

situated at Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairtabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 8-2-623 at Banjara Hills, Road No. 10, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3340/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) (1) M/s. Uma Karan and Tej Karan, Represented by Sri Tej Karan,
 (2) Sri Raja Ram Karan, residing at H. No. 8-2-547 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rameshwar Prasad Modi, H. No. 76/2 at Ramgopalpet, Secunderabad, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 151/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 102 situated at "Kala Mansion" S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on December-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in Block No. I flat No. 102 on ground floor, 69.60 sq. Mts. situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3042/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—256GI/79

FORM ITNS

(1) M/s. Shaw Builders, H. No. 22-7-269/3 at Dewan Devdi, Hyderabad.

*(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dervesh Ali Razvi, 22-7-268/2 at Dewan Devdi, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC No. 152/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 48 situated at Dewan Devdi, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on December 78 for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 48 in Shaw Building Complex, Dewan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 3477/78 in the Sub-Registrar Office Abampura.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Prasad Productions Pvt. Ltd., No. 2 at Saran-gapani, Street, Tyagarayanagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 153/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 13 in situated at Prasad Theatre Guntakal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntakal on December-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. T. Ratnaiah Setty & Sons, Guntakal, Ananthapur-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Prasad" Theatre in ward No. 13 situated at Guntakal, Ananthapur-Dist. registered vide Doc. No. 988/78 in the office of the Sub-Registrar Guntakal.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. M. Mahalakshamma, W/o M. Pedda Subbareddy,
(2) Smt. Sakuntalamma, both residing at Kapu Street, Nellore.

(Transferor)

(2) Shri Varada Alwar S/o Venkataseshiah, businessman, China Bazar, Nellore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref No. RAC. No. 165/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5 Mulgs 16/706/5 to 706/9 situated at Nagulamitta, Nellore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on December-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

5 Mulgias bearing Door Nos. 16/706/5, 706/6, 706/7, 706/8, and 706/9 situated at Nagulamitta Road, Nellore, registered vide Document No. 3627/78 in the office of the Sub-Registrar Nellore.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Kodimala Buchiraja Basaviah S/o Rajasekhar, H. No. 8-10-77, Pinnavari Street, Warangal. (Transferor)

(2) Smt Rajubai Babeti W/o Radhakishan Bahati, Pinnavari Street, Warangal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 166/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 12/317 (12-1-150) situated at Street, Pinnavai Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on December-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of hou. M. No. 12/317 (New Nos. 12-1-150) situated at Pinnavai Street, Warangal, registered vide Doc. No. 4437/78 in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 167/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 3-6-213 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Qmarunnisa Begum,
H. No. 5-9-87 at Ali Manzil, Chapal Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri G. Vittal Reddy,
H. No. 3-2-783/1 at Rhemathagh, Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad 721 sq. yds., registered vide Document No. 5485/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 168/79-80.—Whereas, J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-213 at situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Qmarunnisa Begum,
II. No. 5-9-87 at Ali Manzil, Chapal Road,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) (1) S/Shri C. V. Ramabhadra Rao,
(2) C. Raja,
(3) C. Poornachandra Rao,
All 3 sons of Sri Satyanarayana,
H. No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad,
(Boy's town I.T.C. Jahanuma, Hyderabad).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises M. No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad, ad-measuring 945 sq. yds. registered vide Doc. No. 5486/78 in the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 169/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-213 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Qmarunnisa Begum,
H. No. 5-9-87 or Ali Manzil, Chapal Road,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) (1) S/Shri G. Venkat Reddy S/o G. N. Reddy
R/o Timmapur,
(2) K. Vijayanath Reddy,
R/o Telakantiguda, Village Nalgondas,
(3) S. Kasi Reddy,
R/o Sauredyguda, Village, Ibrahimpatam-Dist.
(4) P. Jangareddy S/o Sing Reddy, China-Tondla,
Tq, Ibrahimpatam, Tq, Rangareddy-Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 568 sq. yds. in the premises No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad, registered vid. Document No. 5487/79 in the Joint Sub-Registrar office Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 170/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 11-6-206 to 209 situated at Public Garden Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Miss. Najma Begum, D/o A. R. Khan,
2. Miss Nazneen Begum, S/o A. R. Khan,
both residing at H. No. 11-5-400 Red Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Razia Sultana, W/o Nawab Mohd. Iqbal Ali Khan, H. No. 11-6-206 to 209 at Public Garden Road, Hyderabad. (Muslim Lodge, King Koti, Road, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—256GI/79

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Sri Chekuri Raghavendra Rao, and Ch. Seethamahalaxmi 16-11-1/4 at Malakpet, Hyderabad, by G.P.A.
 2. Sri Chintapalli, Achiah, H. No. 5-9-47/5 at Basheerbagh Hyderabad.
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

(2) M/s. Sagar Constructions, Represented by Sri Kumundal Pitti, F. C. No. 14 at Sagar View Building, Domalguda, Hyderabad.
 (Transferee)

Ref. No. RAC. No. 171/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Open land in situated at 1-2-430 Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

50% of land with in M. No. 1-2-430, admeasuring 250 sq. yds. at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5423/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

(1) Sri Ch. Raghavender Rao,
H. No. 16-11-1/4 at Malakpet Hyderabad,
G.P.A. Sri Ch. Achaiah,
H. No. 5-9-47/5 at Basheerbagh, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s Sagar Constructions, Represented by its
partner,
(2) Sri Mukundlal Pitti S/o late Srinivas Pitti,
FC—14, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No. 172/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land in situated at 1-2-430 Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

50% of land in premises No. 1-2-430 admeasuring 406 Sq. yds., situated at Gaganmahal Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5390/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. G. Jagdamba W/o Sri G. S. Bhashyam,
H. No. 1-1-230/12 at Viveknagar, Chikkadpally,
Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th August 1979

(2) Smt. B. Giraja Tukaram W/o Sri Tukaram,
H. No. 6-1-279/10/1 at Padmaraonagar, H.
Secunderabad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 173/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot No. situated at 1-1-230/16/1 Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot of land No. 1-1-230/16/1 at Chikkadpally, Hyderabad, admeasuring 676 sq. yds., registered vide Doc. No. 5467/78 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Chintapally, Pushpavathamma, W/o Sri Ch Achaiah, H. No. 5-9-47/5 at Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Sagar Constructions, its partner Sri Mukundal Pitti, 14-F.C. Sagarview Building Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 174/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-2-524 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1-2-524 at Domalguda, Gaganmahal, Hyderabad, admeasuring 1380 sq. yds. registered vide Doc. No. 5520/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 175/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-420/A situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri I. S. Sharma, S/o Sri Lakshmana Sharma, (Income-tax Practitioner, of Nizamabad) H. No. 3-6-420/B at Himayatnagar, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri M. Babu Rao, S/o late M. Balaiah, H. No. 11-2-842/2/D at Seetharam Bagh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises bearing M. No. 3-6-420/A admeasuring 346 sq. yds. situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5579/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 176/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5-9-22/42/3 situated at Adarshanagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sri Sureshkumar Rao, S/o V. Rajeswar Rao, H. No. 8-2-350/5A at Banjara Hills, Hyderabad, Represented by his G.P.A. Sri V. Rajeswar Rao. (Transferor)

(2) Smt. Sunayana Devi, W/o Dr. Lajpat Rai, H. No. 22-4-567 at Shahdil Lane, In side Yakutpura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor flat No. 5-9-22/42/3 at Adarshanagar, Hyderabad registered vide Document No. 5270/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Aquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Muknum Ali & Others, 6-3-1094 at Somajiguda Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Kishen chandMehra, H.No. 5/ 6 Brahmanand-nagar, New Malakpet, Hyderabad.
(2) Tilakraj Dhavan, 20-1-314, Koka-ki-Tatti, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 177/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open site of
in 6-3-1094 Somajiguda, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 642 Sq. Yds. in premises No. 6-3-1094 at Somajiguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 5286/78 in the office of the Joint-Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri P. Sudershan Reddy, 2, Sri P. Manmohan Reddy, H.No. 5-4-513 at Kattalmandi, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri The Youngmen's Ismailia Educational Board, Represented by its President Sri Sadruddin, H.No. 5-8-503 at Aga Khan Estate, Chiragali lane, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 178/79-80.—Whereas, J. K. K. VEER, 5-4-513

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kattalmandi Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—256GI[79]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-4-513, admeasuring 1320 Sq. Yds at Old Kattalmandi, Hyderabad, registered vide Document No. 5298/78 in the office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri T. Ramakrishna, S/o Tatipally Vishwanatham, R/o Chandampeta-Tq, Medak-Dist, (Transferor)

(2) Smt. Ambala India, W/o Sri A. Satyanarayana, H. No. 4-7-193 at Esamia Bazar, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 179/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-7-193, 194 & 195, Esamia Bazar Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Signature

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 4-7-193, 194, & 195 at Esamia Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 5352/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979,
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Associated Builders & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Miss. Umara, (Minor) Represented by father M. Mohammed Zabardast Khan, 5-9-160 at Public Garden Road, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 180/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. A2 situated at Abid's Shopping Centre, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor Shop No. A-2 situated in Abid's Shopping Centre, Chiragali Lane, Hyderabad, registered vide Document No. 5354/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Rajeswar Rao, H. No. 8-2-350/5-A at Banjara Hills Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Damyanti Pragji Jetania 5-9-22/42/2 at Adarshnagar, Hyderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 181/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 5-9-22/42/2 situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 5-9-22/42/2 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5378/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Nirada Rao, H. No. 8-2-350/5A Banjara Hills,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 182/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2

situated at 5-9-22/42 Adarshnagar, Hyd.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Usha Rao, Rep. by Sri A. G. K. Murthy,
2, Mrs. A. Shanta Devi, W/o A. G. K. Murthy, H. No. 5-9-22/42 flat Adarshnagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in No. 5-9-22/42 at Adarshnagar, Hyderabad, registered Document No. 5566/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 183/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-11/1 situated at Lakdikapul, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad, on December, 78

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Habecbunnisa Begum, D/o Ikrar Jung Bahadur, 2, Smt. Nafeez Zuthuddin Khan, W/o Mohd. Qutbuddin, H. No. 6-2-11/1, & 6-2-9/ at Saifabad, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Siraj Fatima, W/o Sri M. Nizamuddin Khan, H. No. 32/3RT, Saidabad, Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, No. 6-2-11/1 at Lakdikapul, Hyderabad, registered vide Document No. 3183/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sri Jitendar Raj, (Court receiver) H. No. 6-3-1238
at Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri Dr. G. Narsing Rao, H. No. 1-2-593/6 at
Domalguda, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 184/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. Plot No. 29 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the as per deed registered Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 29 admeasuring 950 Sq. Yds. situated in S. No. 32/1 at Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3301/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sri D. V. Ramakrishna, H. No. 16-11-772 at Musarambagh, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. V. S. Lela, W/o Sri K. Raghava Rao, 3-4-460 (Upsthiis) Narayanguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 185/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Sriramnagar Asifnagar, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Khairatabad on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 5 admeasuring 505 Sq. Yds. situated in Sriramnagar Co-operative Society, at Asifnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 3324/78 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sri Jitender Raj, H. No. 6-3-1238 at Somajiguda,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 186/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17 situated
Somajiguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Sri Ramnivas Kothari H. No. 6-3-927/A at Somajiguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 17 admeasuring 890 Sq. Yds. situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3350/78 in the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—256GI/79

FORM ITNS

(1) Sri Rafi Ahmed Farooqui, Flat No. B-43/F2 at P.S. Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC.No. 187/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 is situated at Block No. 43 Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2 1st floor in Block No. 43 at P.S. Nagar, Hyderabad, registered vide Document No. 3387/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad. (M. No. 10-3-444/128 of 1st floor).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Amina Begum, Hydari, 8-2-309/3, Road No. 14 Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Dr. Singanamala Panduranga, H. No. 5-8-57/4 Station Road, Nampally, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 188/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land in situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairtabad in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 878.50 Sq. Mts. situated at Somajiguda, Hyderabad, (M. No. 6-3-903/1 at Somajiguda, Hyderabad) registered vide Doc. No. 3422/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. Sri T. D. Bhaskarao, 764/6 1st floor Block III, Rojajinagar, Bangalore-10.
 2. Smt. T. D. Rukkammal W/o late T. J. Doraswamy, Rep. by Vendor No. 1.
 3. B. Natarajan, S/o T. D. Bhaskarao.
 4. B. Sreedharan, S/o T. D. Bhaskarao.
 (Transferor)

(2) Smt. R. Kasturi, W/o Sri A. P. Ramakrishna, H. No. 5194/Regimental Bazar, Secunderabad.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 189/79-80.—Whereas, I K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7 at situated at West Maredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Secunderabad in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land 728 Sq. Yds. plot No. 7, situated at West Maredpally, Contonment area, Secunderabad, registered vide Document No. 3021/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri G. Narayana Rao, S/o late G. Laxmaiah, Executor Estate of late Smt. P. Kamala Bai, 14-2-332/F Syam Bagh, Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 190/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-497 situated at Barkatpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. P. S. Laxmi, W/o Dr. P. S. Krishna Murthy, H. No. 3-4-497 at Barkatpura, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hous: M. No. 3-4-497 at Barkatpura, Hyderabad, ad-measuring 550 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5494/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. C. Bichamma, W/o C. Raghava Rao, & others, Chandrakal Village, Nagarkurnool, Mahaboobnagar-Dist.

(Transferor)

(2) M/s Binjusaria Super Foods & Fertilisers Pvt. Ltd., 19-2-226 at Miralam Tank Road, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 191/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land 7761 Sq. Yds. situated at Bahadurpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 7761 Sq. Yds. situated at Bhadurpura, Hyderabad, registered vide Document No. 1456/78 in the office of the Sub-Registrar Doodbowli.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

FORM ITNS—

(1) Smt. Qamar Zamani Begum W/o Dr. Syed Asadulla Hussaini, "Hajra Villa" H. No. 6-3-246/3 Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(1) 1. V. Ramakrishna Rao, 1-267 Tarnaka, Secunderabad.

2. Viswaraj, Mahankali Street, Secunderabad.

3. N. Sreenivas, Mahankali Street, Secunderabad.

4. N. Chandrasekhar, Mahankali Street, Secunderabad.

5. Smt. A. Saraswathi, 12-10-136 Seethaphalmandi Secunderabad.

6. Smt. P. Shantamma, Qr. No. 5, Parsigutta, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1979

Ref. No. RAC. 192/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 241 situated at Nacharam village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture land in S. No. 241 at Nacharam Village Gram panchayat, Hyderabad East Tq. measuring four Acres 27 Guntas, registered vide document No. 5652/78 at the Joint Sub Registrar's Office, Hyderabad.

K. K. VEER

Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-8-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1979

(1) 1. Ajit J. Patel.
2. Nitin I. Patel, and
3. Amar I. Patel, all residing at H. No. 3-6-326
Basheerbagh, Hyderabad.
(Transferors)

(1) 1. Amirthlal Seth.
2. Prabhudas Seth.
3. Jayanthkumar Seth.
4. Atul Kumar Seth.
5. 5-9-22/1/4, Adarshnagar, Hyderabad.
6. B. Tukaram, 6-1-279/10/1 Padmaraonagar,
Secunderabad.
7. P. Rama Rao, 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
8. P. Narayanaswamy, 16-2-147/F Malakpet,
Hyderabad.
9. Smt. B. Kamalamm, 7-1-1045 Shanker Veedhi
Secunderabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

11096 Sq. Yds. Agriculture land surrounded by compound wall in S. No. 162 at Lallaguda Village, registered vide document No. 7271/78 at the office of the S.R.O. Hyderabad East.

K. K. VEER
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-8-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1979

RAC. Ref. No. 194/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 162 situated at Lallaguda Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East on 4-12-1978, for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

25—256GI/79

(1) Ajit I. Patel, Nitin I. Patel and Amar I. Patel, all residing at H. No. 3-6-326 Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferors)

(2) 1. Amruthlal Seth.
2. Prabhudas Seth.
3. Jayanathkumar Seth.
4. Atul Kumar Seth.
H. No. 5-9-22/1/4 at Adarshnagar, Hyderabad.
5. B. Tukaram, 6-1-279/10/1 P. Nagar, Secunderabad.
6. P. Rama Rao, 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
7. P. Narayanaswamy 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
8. Smt. B. Kamalamma, 7-1-1045 at Shanker Veedi Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 6500 Sq. Yds. surrounded by compound wall in Survey No. 162 at Lallaguda, Village, Secunderabad, registered vide Document No. 7272/78 in the office of the S.R.O. Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Y. Venkataeshwar Rao, H. No. 105/B at Sree-nagar Colony, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Y. Nageswar Rao, H. No. 4-2-1071 at Ramkote, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 21st August 1979

Ref. No. RAC. No. 195/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ag. land No. 177/9, 177/12, 177/13, 177/18, Azzinagar, Hyderabad, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey Nos. 177/18, 117/9, 117/13, 177/12, situated at Azzinagar, Hyderabad-West, total area 15.23 Acres, registered vide Document No. 2176/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) DLF UNITED LIMITED, 21-22, Narindra place
Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Sapra S/o Shri Kanshi Ram Sapra
11/11, Kalkaji Extn., New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/870.—Whereas I,
MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Shop No. 11 (ground floor) situated at Cinema Complex
Building, Greater Kailash-II, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi in December 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer is agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Shop No. 11 (ground floor) measuring 244.12 Sq. Ft.
situated in the Cinema Complex Building Greater Kailash-II,
New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 14-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) DLF UNITED LIMITED 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 14th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/872.—Whereas I,
 MISS ANJANI OZA,
 being the Competent Authority, under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 Flat No. 305 (3rd floor) situated at Cinema Complex,
 Greater Kailash-II, New Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act,
 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 14-12-1978,
 for an apparent consideration which is less than
 the fair market value of the aforesaid property, and I have
 reason to believe that the fair
 market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 305 (3rd floor) Cinema Complex, Greater
 Kailash-II, New Delhi measuring 791.4 Sq. Fts.

MISS ANJANI OZA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 14-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

Shri Mohan Lal S/O

(1) Shri Nanak
Vill. & P.O. Satrod Khas (Hissar)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th September 1979

Ref. No. HSR/3/78-79.—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vill. Satrod on Hissar Delhi Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

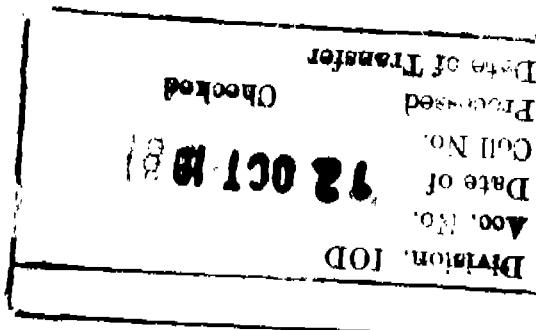
Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

Property being land measuring 46 kanal 2 Marlas sited at Vill. Satrod Khas Khurd on Hissar-Delhi Road as mentioned more in the Sale Deed registered at No. 922 dated 1-1-1979 with the Sub-Registrar, Hissar.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 7-9-1979

Seal :

